राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 31 अगस्त 2026 वर्ष-9,अंक-209 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

प्रधानमंत्री मोदी को मिला उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान

यूरेनियम और व्यापार पर ऐतिहासिक समझौता

ताशकंद।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च राज्य पुरस्कार ओली दाराजली डस्टलिक से नवाजा गया। यह सम्मान उज्बेकिस्तान के साथ भारत के बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों और प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तिगत योगदान की अहमियत को दिखाता है। ताशकंद में राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद पीएम मोदी ने सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर, दोनों देशों ने यूरेनियम आपूर्ति के लिए दीर्घकालिक व्यवस्था स्थापित करने और अपनी रणनीतिक साझेदारी को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का ऐतिहासिक ऐलान किया। यह घोषणा उस वर्ष की गई है जब भारत और उज्बेकिस्तान अपनी रणनीतिक साझेदारी की 15वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। पीएम मोदी ने बताया कि 3 सिस्टर-सिटीऔर सिस्टर-स्टेट समझौतों को औपचारिक रूप दिया जा रहा है। उन्होंने उज्बेक प्रतिनिधिमंडल को भारत की गिफ्ट सिटी और न्यू ताशकंद जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में अपनाई गई बेहतरीन प्रक्रियाओं और टेक्नोलॉजी को समझने के लिए आमंत्रित किया। बातचीत में व्यापार और निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर, मिनरल्स, माइनिंग, रक्षा और सुरक्षा, इनोवेशन, कृषि, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, यूपीआई सहित डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और शिक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। दोनों देशों ने 2030 तक 5 अरब अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य भी तय किया है।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति मिर्जियोयेव द्वारा आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए की गई पहलों और उनकी पुस्तक की सराहना की। उन्होंने बताया कि आपसी सहयोग के सभी पहलुओं को दिशा देने के लिए विदेश मंत्री स्तर पर एक समन्वय परिषद का गठन होगा और संयुक्त आयोग को सचिव स्तर से मंत्री स्तर तक ले जाया जाएगा। दोनों पक्ष मिलकर एक बिज़नेस समिट का आयोजन भी करने वाले है।

राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने भारत को विश्वसनीय रणनीतिक साझेदार बताया और दोनों देशों के बीच मजबूत होते संबंधों पर बात की। उन्होंने कहा कि पिछले साल

द्विपक्षीय व्यापार पहली बार एक अरब डॉलर से ज्यादा रहा और अब हर हफ्ते 14 सीधी उड़ानें हैं। उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री सेंटर फॉर इंडियन कल्चर और महात्मा गांधी सेंटर फॉर इंडियन स्टडी की भूमिका और उज़्बेकिस्तान में योग की बढ़ती लोकप्रियता का जिक्र किया। मिर्जियोयेव ने भारतीय नागरिकों के लिए 30 दिन की वीजा-मुक्त व्यवस्था शुरू करने को लोगों के बीच संपर्क, पर्यटन और व्यापारिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने वाला कदम बताया।

न्यूयॉर्क में बोले मोहन भागवत- एकता और विविधता भारत के डीएनए में

- सही सोच इंसान को ईश्वर के करीब ले जाती है
- मैडिसन स्क्वायर गार्डन में 42 मिनट के संबोधन में धर्म, जीवन, पर्यावरण और भारतीय मूल के अमेरिकियों की जिम्मेदारियों पर रखे विचार

न्यूयॉर्क।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारत की परंपरा, विविधता और एकता पर विस्तार से विचार रखे। करीब 42 मिनट के अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि एकता और विविधता भारत के डीएनए का हिस्सा हैं। लोगों की वेशभूषा, भाषा, रहन-सहन और जीवनशैली अलग-अलग हो सकती है, लेकिन सभी के बीच एक स्वाभाविक और जन्मजात जुड़ाव मौजूद है।

मोहन भागवत ने कहा कि विविधता में एकता भारत की पारंपरिक सोच रही है और भारत समय-समय पर पूरी दुनिया को इसका अनुभव कराता रहा है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को सोचने और विचार करने की क्षमता एक विशेष वरदान के रूप में मिली है। सही दिशा में सोच व्यक्ति को ईश्वर के निकट ले जाती है, जबकि गलत सोच उसे उसके मूल मानवीय गुणों से दूर कर सकती है।

कार्यक्रम में भारतीय मूल के पांच हजार से अधिक अमेरिकी नागरिक शामिल हुए। 'अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग' (एहेड) की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न देशों से धार्मिक प्रतिनिधि भी पहुंचे। बताया गया कि करीब 30 देशों के 180 धर्मगुरुओं और धार्मिक नेताओं ने इसमें भाग लिया।

अपने संबोधन में आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत में 'धर्म' का अर्थ केवल पूजा-पद्धति या किसी विशेष धार्मिक पहचान तक सीमित नहीं है। उनके अनुसार धर्म वह व्यवस्था और सिद्धांत है, जो जीवन और सृष्टि में संतुलन बनाए रखने का मार्ग दिखाता है तथा अलग-अलग परिस्थितियों के बीच सामंजस्य स्थापित करता है।

भागवत ने भौतिक सुख-सुविधाओं को लेकर भी विचार रखे। उन्होंने कहा कि धन, वस्तुएं और आधुनिक सुविधाएं जीवन को सहज बना सकती हैं, लेकिन केवल इन्हीं के आधार पर स्थायी संतुष्टि प्राप्त नहीं की जा सकती। अत्यधिक संसाधनों के बावजूद व्यक्ति के जीवन में संतोष की कमी बनी रह सकती है।

अमेरिका में रह रहे भारतीय मूल के लोगों से उन्होंने कहा कि जिस देश में वे रहते और काम करते हैं, वह उनकी कर्मभूमि है और उसके प्रति निष्ठावान रहना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने जीवन के विभिन्न चरणों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक पड़ाव की अपनी भूमिका और जिम्मेदारियां होती हैं। पहले सीखना, फिर परिवार और समाज के प्रति दायित्व निभाना तथा बाद में अपने अनुभव अगली पीढ़ी तक पहुंचाना जीवन की स्वाभाविक प्रक्रिया है।आरएसएस प्रमुख ने विकास और प्रगति को लेकर कहा कि व्यक्ति, समाज और पर्यावरण के बीच संतुलन जरूरी है। विकास की प्रक्रिया में किसी एक को नुकसान पहुंचाकर दूसरे की प्रगति नहीं की जा सकती। वास्तविक और टिकाऊ प्रगति वही है, जिसमें व्यक्ति, समाज और प्रकृति तीनों का हित एक साथ सुनिश्चित हो।

विजय सरकार ने घटा दी स्टालिन की सिक्योरिटी

चेन्नई।

तमिलनाडु की विजय सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की सुरक्षा घटा दी है। डीएमके चीफ को पहले जेड प्लस सिक्योरिटी मिली हुई थी। अब उसे घटाकर जेड श्रेणी कर दी गई है। इस फैसले के बाद अब स्टालिन की सुरक्षा में 54 की जगह 34 सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। मुख्य सचिव साई कुमार की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में गृह सचिव के. मणिवासन और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी शामिल हुए। इस मीटिंग में स्टालिन को उपलब्ध कराई जा रही सुरक्षा की समीक्षा की गई। खतरे के आकलन और सुरक्षा जरूरतों के आधार पर उनकी सुरक्षा को जेड+ से घटाकर जेड श्रेणी करने का फैसला लिया गया। बता दें कि प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस जैसे सरकारी पदों पर तैनात बड़े अफसरों को सुरक्षा सरकार की ओर से दी जाती है। इसमें ऊंचा रुतबा रखने वाले लोगों को भी केंद्र सरकार सिक्योरिटी देती है। सरकार ने सिक्योरिटी की पांच कैटेगरी बना रखी है।

ई20 पेट्रोल पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नई दिल्ली।

ई20 पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग को लेकर 31 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में होगी। नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका दायर की है। जिसमें कहा गया है कि, पेट्रोल पंप के नॉजिल पर यह स्पष्ट तौर पर लिखा होना चाहिए कि, पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग की मात्रा कितनी है। सुप्रीम कोर्ट इसी याचिका की सुनवाई करेगा। अदालत की 31 अगस्त की कॉज लिस्ट के मुताबिक, मामला जस्टिस एम एम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच के सामने पेश किया जाएगा। मामला यहीं खत्म नहीं होता। याचिका में सरकार से यह भी पूछा गया है कि देश में चल रही हर कार और बाइक ई20 के लिए कितनी तैयार है और अगर नहीं है, तो उसके मालिक के लिए क्या विकल्प है।

मन की बात में पीएम मोदी ने स्वच्छता, नशामुक्ति और महिला सशक्तिकरण पर की चर्चा

अमरनाथ यात्रा में 400 मीट्रिक टन कचरा प्रोसेस करने का किया जिक्र, पीएम स्वनिधि योजना और 'सूर्यपथ तिरंगा यात्रा' की उपलब्धियां भी बताईं

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 137वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। सुबह 11 बजे प्रसारित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने स्वच्छता, जनभागीदारी, नशामुक्ति, महिला सशक्तिकरण, तिरंगा अभियान और देश के इतिहास को आम लोगों तक पहुंचाने जैसे विषयों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री ने अमरनाथ यात्रा के दौरान स्वच्छता अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस वर्ष 400 मीट्रिक टन से अधिक कचरे का संग्रह कर उसका प्रसंस्करण किया गया। उन्होंने बताया कि 16 हजार से अधिक यात्रियों ने स्वच्छता का संकल्प लिया और 10 हजार से ज्यादा लोगों को 'जिम्मेदार यात्री' प्रमाणपत्र दिया गया। यात्रा के दौरान घोड़ों और खच्चरों के गोबर से बायोगैस तैयार कर 'स्वच्छ ज्योत' भी प्रज्ज्वलित की गई।

पीएम मोदी ने उत्तर प्रदेश के रामपुर स्थित पटवाई गांव के दो युवाओं आकाश और रोहन की भी प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि दोनों युवाओं की पहल से बनी 'क्लीन-अप पटवाई' टीम ने चार गंगा घाटों सहित कई तालाबों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई की तथा एक टन से अधिक प्लास्टिक कचरा हटाया। प्रधानमंत्री ने पीएम स्वनिधि योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके लाभार्थियों में करीब 46 प्रतिशत महिलाएं हैं। लगभग 35 लाख महिलाएं इस योजना से जुड़कर अपना कारोबार आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने गाजियाबाद की बबीता शर्मा का उदाहरण देते हुए बताया कि योजना से मिली आर्थिक सहायता ने उनके छोटे स्टॉल को दुकान के रूप में विकसित करने में मदद की।

पीएम मोदी ने 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान का जिक्र करते हुए युवाओं से नशे

के खिलाफ जागरूकता फैलाने की अपील की। साथ ही 'सूर्यपथ तिरंगा यात्रा', हर घर तिरंगा अभियान और इतिहास से जुड़ी वबसाइट bharatrajya.com के प्रयास की भी सराहना की।

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूम से मनेगा, 'पंचरत्नी' पोशाक धारण करेंगे बालगोपाल

- एक सितंबर से पांच सितंबर तक विभिन्न लीलाओं का किया जाएगा मंचन

मथुरा।

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव 4 सितंबर को मनाया जाएगा। इस साल पर्व का आयोजन 'गौरक्षा-राष्ट्र रक्षा' के संकल्प सूत्र के साथ किया जा रहा है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव ने बताया कि जन्मोत्सव के अवसर पर महाभिषेक के बाद ठाकुरजी भागवत भवन स्थित राधाकृष्ण मंदिर में कलहंस पुष्प बंगले में 'पंचरत्नी' पोशाक धारण कर विराजेंगे।

उन्होंने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को भव्य बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि के विशाल मंदिर परिसर को और ज्यादा मनोहारी एवं चित्ताकर्षक स्वरूप दिया जा रहा है। मंदिर के बाहरी हिस्से में आकर्षक सजावट और रोशनी की व्यवस्था की जा रही है।

प्रकाश शिखर और पूरा परिसर भी भव्य रूप में दिखाई देगा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के पदाधिकारियों ने बताया कि ठाकुरजी रत्न-जड़ित मुकुट, बांसुरी, नवरत्न-जड़ित कंठा सहित विभिन्न श्रृंगार सामग्री धारण करेंगे। भगवती योगमायाजी विशिष्ट दिव्य स्वर्ण मुकुट धारण करेंगी। श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर में विराजमान ठाकुर केशवदेव, मां योगमाया, गर्भगृह और ठाकुर राधाकृष्ण युगल सरकार मंदिर में विशिष्ट पूजन, सहस्रार्चन, जन्माभिषेक और आरती के दिव्य दर्शन होंगे।मंदिर की साज-सज्जा और व्यवस्थाएं इस बार नयनाभिराम एवं अभूतपूर्व होंगी। ''ठाकुरजी 'पंचरत्नी' पोशाक धारण करेंगे जिस पर पंचरत्नों के रूप में कामधेनु गाय, पांचजन्य शंख, अमृत कलश, समुद्र मंथन से प्राप्त ऐरावत हाथी और कल्पवृक्ष को विशेष रूप से उकेरा गया है। जरी, रेशम और रत्नों की प्रतिकृतियों का प्रयोग कर तैयार की गई इस पोशाक के दर्शन भक्तों को अभिभूत करेंगे।'' जन्माष्टमी के अवसर पर ठाकुरजी को धारण कराई जाने वाली यह पोशाक तीन सितंबर को शाम साढ़े पांच बजे भव्य एवं दिव्य शोभायात्रा के साथ जन्मस्थान परिसर में प्रवेश करेगी।

इस अवसर पर पोशाक के साथ काशी विश्वनाथ धाम से प्राप्त प्रसाद और सुगंधित द्रव्य आदि तथा श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या धाम से प्राप्त उपहार एवं अभिषेक सामग्री भी प्रदर्शित की जाएगी।

ग्लेशियर टूट रहा था, हिमनद खिसक रहा था, तो चीन को जानकारी क्यों नहीं हुई?

45 मिनट की देरी ने डुबो दिया नेपाल? अब उठ रहे चीन को लेकर सवाल

नई दिल्ली।

नेपाल को फ्लैश फ्लड ने बड़ा जख्म दे दिया है। साल 2015 के भूकंप के बाद नेपाल ने अब कुदरत का इतना विकराल रूप देखा। यहां के अधिकारी बताते हैं कि नेपाल ने इतिहास में कभी इतनी भीषण तबाही नहीं देखी। ये पता लगाया जा रहा है कि आखिर क्या वजह थी, जो पानी का ऐसा बड़ा सैलाब आया और भनक तक नहीं लगी। जब तिब्बत में ग्लेशियर टूट रहा था या हिमनद खिसक रहा था, तो चीन के पास जानकारी क्यों नहीं हुई? टेक्नोलॉजी में एक्सपर्ट चीन को अगर पता था, तो नेपाल को वक्त रहते क्यों नहीं बताया?मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल के रसुवा में भोटेकोशी नदी की भीषण बाढ़ ने आई और अपने पीछे कुदरत से इंसानियत के हारने की कहानी छोड़ गई। अब इस त्रासदी के चलते नेपाल और चीन के बीच विवादास्पद स्थिति हो गई है। नेपाल की ओर से यह आशंका जताई गई कि चीनी हिस्से में बनी जियोलॉजिकल डिजास्टर डैम के ढहने से बाढ़ आई और चीन ने समय पर चेतावनी नहीं दी। उधर चीन ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए इसे फर्जी खबर बताया है। चीनी दूतावास का कहना है कि भूकंप जैसी घटना नेपाली हिस्से में हुई, जिससे कीचड़ का सैलाब आया। अब सवाल उठ रहा है कि क्या चीन इस तबाही को रोक सकता था या कम से कम नुकसान कम कर सकता था? अप्रैल में नेपाल ने चीन से भोटेकोशी किनारे बन रही सेफ्टी वॉल का काम रोकने का अनुरोध किया था। नेपाल को डर था कि निर्माण से नदी का प्राकृतिक मार्ग प्रभावित हो सकता है। बाढ़ के बाद यही सवाल फिर उठ खड़ा हुआ है। अगर नदी के

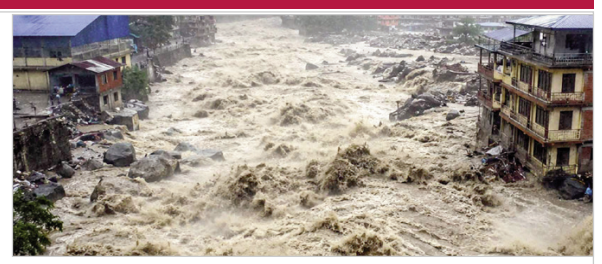

किनारे दीवार या अन्य संरचनाएं उसके स्वाभाविक बहाव को बाधित करती हैं, तो मलबा और पानी का दबाव बढ़ सकता है। अभी इस बात का कोई पक्का प्रमाण नहीं है कि सेफ्टी वॉल ने बाढ़ को जन्म दिया, लेकिन नदी इंजीनियरिंग के प्रभाव की जांच जरूरी है। बाढ़ का स्रोत तिब्बती हिस्से से जुड़ा बताया जा रहा है। नेपाली सूत्रों के मुताबिक तिब्बत के केरुंग से आई भीषण बाढ़ की चेतावनी नेपाल को 45 मिनट की देरी से मिली।

चीनी मीडिया रिपोर्ट्स कहती हैं कि तिब्बत में बाढ़ स्थानीय समय के मुताबिक साढ़े 10 बजे आ चुकी थी। ये नेपाल से 25-30 किलोमीटर की दूरी पर है और दोनों देशों के वक्त में सवा 2 घंटे का अंतर। ऐसे में नेपाल तक जानकारी पहुंचने में 45 मिनट की देरी हुई।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या चीनी पक्ष के पास ऊपरी इलाके में हुई घटना की जानकारी पहले थी। दोनों देशों के बीच रियल-टाइम फ्लड वार्निंग सिस्टम कितना प्रभावी था? समय पर चेतावनी मिलने पर नीचे के इलाकों में लोगों को निकालने का अधिक समय मिल सकता था।

आप नेता गुरप्रीत की गोली मारकर हत्या

फिरोजपुर।

पंजाब के फिरोजपुर जिले में आम आदमी पार्टी नेता गुरप्रीत सिंह गोपी की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस हमले में नेता गुरप्रीत सिंह गोपी की मौत हो गई, जबकि पार्टी के एक अन्य कार्यकर्ता हरप्रीत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना फिरोजपुर के ममदोट इलाके में हुई।

गुरप्रीत सिंह गोपी और हरप्रीत सिंह ममदोट रोड पर मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी एक कार में सवार अज्ञात हमलावरों ने कथित तौर पर उन पर गोलियां चला दीं। ममदोट नगर पंचायत के नए चुने गए अध्यक्ष विक्की मैनी दो अन्य लोगों के साथ एक अलग कार में जा रहे थे और मौके पर मौजूद थे।

फिरोजपुर एसएसपी भूपिंदर सिंह सिद्धू ने कहा कि यह घटना चुनाव से जुड़ी पुरानी रंजिश से जुड़ी है। पुलिस अधिकारी के अनुसार गुरप्रीत सिंह गोपी और हरप्रीत को गोली लगी और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। गोपी की रास्ते में मौत हो गई, जबकि हरप्रीत का फिरोजपुर के जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सदी का सबसे बड़ा खतरा अल नीनो के रूप में मंडरा रहा है धरती पर

न्यूयार्क।

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस साल का अल नीनो पिछले सौ साल से भी अधिक समय में सबसे ताकतवर हो सकता है, जिससे प्रशांत महासागर का तापमान सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस से भी ज़्यादा बढ़ सकता है। धरती पर इस सदी का सबसे बड़ा खतरा अल नीनो के रूप में मंडरा रहा है, जिसकी वजह से दुनिया में त्राहिमाम मचने की आशंका है। अगर वैज्ञानिकों की यह चेतावनी सही साबित होती है, तो 2027 वैश्विक स्तर पर अब तक का सबसे गर्म साल बन सकता है, जो 2024 के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ देगा। ब्रिटेन के मेट ऑफिस के प्रमुख एडम स्केफ ने बताया कि यह एक सदी से भी अधिक समय में सबसे बड़ा अल नीनो होने की संभावना है, जो तीन डिग्री से ज़्यादा तक पहुंच सकता है, ऐसा आधुनिक जलवायु रिकॉर्ड में पहले कभी नहीं देखा गया। उन्होंने 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि को भी बहुत बड़ी घटना बताया। इससे पहले 2015-16 का अल नीनो सबसे ताकतवर माना जाता था, जब समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से करीब 3 डिग्री सेल्सियस ज़्यादा पहुंचा था। इस वैश्विक संकट का भारत पर भी गहरा असर पड़ेगा, जहाँ कमज़ोर मॉनसून के साथ-साथ फसलों पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

भारत को गर्मी और कृषि, दोनों मोर्चों पर बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिकी मौसम एजेंसी नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (नॉआ) के पूर्वानुमान के अनुसार, इस बार अल नीनो का असर नवंबर में अपने चरम पर पहुंच सकता है, जब प्रशांत महासागर का तापमान सामान्य से करीब 3.9 डिग्री सेल्सियस ज़्यादा हो सकता है। वैज्ञानिक निक डनस्टोन के मुताबिक, 2027 के 2024 को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे गर्म साल बनने की काफी संभावना है। 2024 में ही दुनिया का औसत तापमान औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस से ज़्यादा ऊपर चला गया था, जो अंतरराष्ट्रीय जलवायु लक्ष्यों के लिहाज से बेहद अहम सीमा मानी

जाती है। भारत में अल नीनो का सीधा असर मॉनसून पर पड़ता है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पूरे मॉनसून सीज़न में बारिश को लंबे समय के औसत का करीब 90 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछले 11 साल में सबसे कम है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कलियुग में समुद्र मंथन से फिर निकली ऊर्जा सुरक्षा की नई खोज

समुद्र मंथन' भारत की ऊर्जा जरूरतों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पूरा कर सकता है, लेकिन इसे ऊर्जा संक्रमण का विकल्प नहीं समझना चाहिए। दुनिया धीरे-धीरे स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ रही है।सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, बैटरी स्टोरेज और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में भारत पहले से निवेश बढ़ा रहा है। इसलिए एक ओर जहां देश को निकट और मध्यम अवधि में तेल और गैस की जरूरत पूरी करने के लिए घरेलू संसाधनों का इस्तेमाल करना होगा, वहीं दूसरी ओर भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा व्यवस्था के निर्माण में भी तेजी लानी होगी।यानी भारत की ऊर्जा नीति का रास्ता केवल समुद्र के नीचे तेल खोजने से पूरा नहीं होगा।

(लेखक - सौरभ वार्ष्णेय)

भारत की ऊर्जा जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं और इसके साथ ही कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस के आयात पर देश की निर्भरता भी एक बड़ी आर्थिक चुनौती बनती जा रही है। ऐसे समय में केंद्र सरकार का समुद्र की गहराइयों में छिपे तेल और गैस के भंडार की खोज को गति देने का फैसला रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जा सकता है। सरकार ने इसी उद्देश्य से समुद्र मंथन' यानी नेशनल ऑफशोर एक्सप्लोरेशन स्कीम को मंजूरी दी है। यह योजना केवल तेल और गैस की खोज का कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा, विदेशी मुद्रा बचत और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। 31 जुलाई 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर इस योजना का उद्देश्य समुद्र तल के नीचे मौजूद संभावित हाइड्रोकार्बन संसाधनों की खोज को प्रोत्साहित करना है। योजना के पहले चरण के तहत वित्त वर्ष 2030-31 तक 84,084 करोड़ रुपये खर्च किए जाने का प्रस्ताव है। सरकार का अनुमान है कि समुद्र के नीचे करीब 600 मिलियन मीट्रिक टन ऑयल इक्विवेलेंट के बराबर संभावित ऊर्जा संसाधनों की खोज की जा सकती है।

भारत के लिए यह पहल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है। भारत दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल उपभोक्ताओं में शामिल है। पेट्रोल, डीजल, विमान ईंधन, पेट्रोकेमिकल उद्योग और परिवहन क्षेत्र की बढ़ती मांग के कारण तेल की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। दूसरी ओर, घरेलू उत्पादन उस गति से नहीं बढ़ पाया है जिस गति से खपत बढ़ी है। परिणामस्वरूप भारत को हर वर्ष भारी मात्रा में कच्चा तेल विदेशों से खरीदना पड़ता है।

कच्चे तेल का महंगा आयात देश के व्यापार संतुलन और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव डालता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि भी भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती है। युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव, समुद्री मार्गों में संकट अथवा प्रमुख तेल उत्पादक देशों की उत्पादन नीति में बदलाव का सीधा असर भारत के ऊर्जा बिल पर पड़ता है। ऐसे में घरेलू तेल और गैस संसाधनों की खोज को बढ़ावा देना स्वाभाविक रूप से राष्ट्रीय प्राथमिकता बन जाता है।

भारत के पास विशाल समुद्री क्षेत्र है। पश्चिमी और पूर्वी तटों से लगे ऑफशोर बेसिनों में हाइड्रोकार्बन संसाधनों की पर्याप्त संभावनाएं बताई जाती हैं। लेकिन समुद्र के भीतर तेल और गैस की खोज जमीन पर कुआं खोदने जितनी आसान नहीं है। कई संभावित क्षेत्र समुद्र की हजारों मीटर गहराई में स्थित हैं।

डीपवाटर और अल्ट्रा-डीपवाटर क्षेत्रों में खोज के लिए अत्याधुनिक तकनीक, विशेष ड्रिलिंग रिग, अनुभवी वैज्ञानिक और इंजीनियर तथा भारी पूंजी निवेश की जरूरत होती है। एक कुएं की ड्रिलिंग में ही करोड़ों डॉलर खर्च हो सकते हैं। इसके बावजूद यह निश्चित नहीं होता कि वहां व्यावसायिक मात्रा में तेल या गैस मिलेगी ही। किसी कंपनी के लिए अरबों रुपये खर्च करके कई किलोमीटर गहरे समुद्र में ड्रिलिंग करना और फिर वहां व्यावसायिक भंडार नहीं मिलना बड़ा वित्तीय नुकसान हो सकता है। इसके अलावा खोज से लेकर व्यावसायिक उत्पादन शुरू होने तक कई वर्ष लग सकते हैं। यही कारण है कि कई कंपनियां ऐसे क्षेत्रों में निवेश करने से पहले जोखिम और संभावित लाभ का बहुत सावधानी से आकलन करती हैं।

समुद्र मंथन' योजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यही है कि इसमें सरकार निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के साथ जोखिम साझा करने की कोशिश कर रही है। इसका उद्देश्य उन क्षेत्रों में खोज को बढ़ावा देना है जहां भारी प्रारंभिक निवेश के कारण कंपनियां स्वयं आगे आने में हिचकती हैं।यदि सरकार खोज के जोखिम का एक हिस्सा वहन करती है तो कंपनियों के लिए डीपवाटर एक्सप्लोरेशन में निवेश करना अपेक्षाकृत आकर्षक हो सकता है। इससे नई तकनीक और निजी पूंजी भी इस क्षेत्र में आ सकती है।इसका दूसरा लाभ यह होगा कि देश में ऑफशोर एक्सप्लोरेशन की तकनीकी क्षमता विकसित होगी। ड्रिलिंग, समुद्री इंजीनियरिंग, भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, डेटा विश्लेषण और संबंधित सेवाओं के क्षेत्र में नए अवसर पैदा हो सकते हैं।यहां सरकार और जनता दोनों को यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाना होगा। समुद्र के नीचे संभावित संसाधन मिलने और उनसे वास्तविक उत्पादन शुरू होने के बीच लंबा अंतर हो सकता है।किसी क्षेत्र में तेल या गैस मिलने के बाद भी यह देखना पड़ता है कि वहां भंडार कितना बड़ा है, उसे निकालना आर्थिक रूप से कितना व्यवहार्य है, उत्पादन के लिए किस प्रकार का बुनियादी ढांचा चाहिए और पर्यावरणीय मंजूरियां किस तरह प्राप्त होंगी।इसलिए समुद्र मंथन' को तत्काल तेल आयात कम करने वाली योजना के बजाय दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति के रूप में देखना अधिक उचित होगा। यदि खोज सफल होती है और बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन शुरू होता है तो निश्चित रूप से भारत की आयात निर्भरता कम हो सकती है। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव से अर्थव्यवस्था को कुछ हद तक सुरक्षा मिलेगी।

समुद्र की गहराइयों में तेल और गैस की खोज जितनी आकर्षक है, उससे जुड़ी पर्यावरणीय चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऑफशोर ड्रिलिंग के दौरान समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव पड़ सकता है। तेल रिसाव की स्थिति में समुद्री जीव-जंतुओं, मछलियों, प्रवाल भित्तियों और तटीय समुदायों को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए खोज और उत्पादन की प्रक्रिया में अत्याधुनिक सुरक्षा व्यवस्था तथा कड़े पर्यावरणीय मानकों का पालन अनिवार्य होना चाहिए।भारत की बड़ी आबादी समुद्री संसाधनों और मत्स्य व्यवसाय पर निर्भर है। किसी भी परियोजना से स्थानीय मछुआरों की आजीविका प्रभावित नहीं होनी चाहिए। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना इस योजना की सफलता की महत्वपूर्ण शर्त होगी।

समुद्र मंथन' भारत की ऊर्जा जरूरतों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पूरा कर सकता है, लेकिन इसे ऊर्जा संक्रमण का विकल्प नहीं समझना चाहिए। दुनिया धीरे-धीरे स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ रही है।सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, बैटरी स्टोरेज और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में भारत पहले से निवेश बढ़ा रहा है। इसलिए एक ओर जहां देश को निकट और मध्यम अवधि में तेल और गैस की जरूरत पूरी करने के लिए घरेलू संसाधनों का इस्तेमाल करना होगा, वहीं दूसरी ओर भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा व्यवस्था के निर्माण में भी तेजी लानी होगी।यानी भारत की ऊर्जा नीति का रास्ता केवल समुद्र के नीचे तेल खोजने से पूरा नहीं होगा। उसे तेल और गैस की जरूरतों के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार को भी समान प्राथमिकता देनी होगी।यदि योजना सफल होती है तो इसका लाभ केवल ऊर्जा क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। ऑफशोर एक्सप्लोरेशन के लिए ड्रिलिंग उपकरण, समुद्री जहाज, इंजीनियरिंग सेवाएं, भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, डेटा प्रोसेसिंग और तकनीकी प्रशिक्षण की जरूरत बढ़ेगी।इससे देश में तेल एवं गैस क्षेत्र से जुड़े नए उद्योगों को बढ़ावा मिल सकता है। उच्च कौशल वाले इंजीनियरों, भूवैज्ञानिकों, समुद्री विशेषज्ञों और तकनीकी कर्मचारियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यदि इस पूरी प्रक्रिया में घरेलू कंपनियों और भारतीय तकनीक को बढ़ावा दिया जाता है तो भारत की ऊर्जा क्षेत्र में तकनीकी आत्मनिर्भरता भी मजबूत होगी।समुद्र मंथन' का बजट बड़ा है और इससे जुड़ी उम्मीदें भी बड़ी हैं। ऐसे में योजना में पारदर्शिता, वैज्ञानिक मूल्यांकन और जवाबदेही जरूरी होगी। यह सुनिश्चित करना होगा कि सार्वजनिक धन का इस्तेमाल केवल उन परियोजनाओं में हो जहां तकनीकी और आर्थिक संभावनाओं का उचित आकलन किया गया हो।साथ ही निजी निवेशकों के लिए नीति स्पष्ट और स्थिर होनी चाहिए। बार-बार नियमों में बदलाव, अनुमति प्रक्रिया में देरी अथवा अस्पष्टता से निवेश प्रभावित हो सकता है।सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि खोज की प्रक्रिया में पर्यावरणीय नियमों से समझौता न हो। भारत के लिए समुद्र मंथन' केवल समुद्र की गहराइयों में तेल और गैस खोजने की योजना नहीं है। यह उस चुनौती का जवाब तलाशने का प्रयास है जिसमें देश की ऊर्जा मांग लगातार बढ़ रही है और आयात पर निर्भरता अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।यदि योजना के तहत अनुमानित संसाधनों की सफल खोज और व्यावसायिक उत्पादन संभव होता है तो भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हो सकती है, विदेशी मुद्रा की बचत हो सकती है । लेकिन इस महत्वाकांक्षी योजना की सफलता केवल कितने कुएं खोदे गए या कितने ब्लॉक खोजे गए, इससे तय नहीं होगी। असली सफलता तब होगी जब खोज से उत्पादन तक की पूरी प्रक्रिया आर्थिक रूप से व्यवहार्य, पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार और तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बने। भारत को समुद्र की गहराइयों से ऊर्जा निकालते समय भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को भी ध्यान में रखना होगा। आज के लिए तेल और गैस की सुरक्षा तथा कल के लिए स्वच्छ ऊर्जा—इन्हीं दोनों के संतुलन में भारत की वास्तविक ऊर्जा आत्मनिर्भरता छिपी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

दुष्प्रचार का सहारा

लंबे समय से भाजपा के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को कठघरे में खड़े करते आ रहे राहुल गांधी ने यह कहकर इस संगठन के खिलाफ अपने हमलों को नए सिरे से धार देने की ही कोशिश की कि देश में संविधान और आरएसएस के बीच लड़ाई है। राहुल गांधी की ओर से आरएसएस पर नए सिरे से हमला यही बताता है कि वे भाजपा से अपनी राजनीतिक लड़ाई न जीत पाने की खीझ में उसके मातृ संगठन पर निशाना साधने में लगे हुए हैं। वे लगातार यह समझाने का प्रयत्न कर रहे हैं कि भाजपा और आरएसएस संविधान का आदर नहीं करते और वे उसे खत्म करने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने यह दुष्प्रचार पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के चार सौ पार के नारे के जवाब में शुरू किया था। यह सही है कि कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों को आम चुनाव में इस दुष्प्रचार का चुनावी लाभ मिला, लेकिन उन्हें यह समझना होगा कि काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। संविधान की प्रति लहराकर कोई बात कहने से वह सच नहीं साबित हो जाती। चूंकि राहुल गांधी तथ्यों और तर्कों के स्थान पर दुष्प्रचार की राजनीति पर अधिक जोर देते हैं, इसीलिए उन्हें वैसी राजनीतिक सफलता नहीं मिल पा रही है, जिसकी वे अपेक्षा कर रहे हैं। इसका परिणाम यह है कि वे और अधिक दुष्प्रचार की राजनीति का सहारा लेने लगे हैं। राहुल गांधी ने संविधान और आरएसएस के बीच की लड़ाई के अपने आरोप को बल देने के लिए अनुसूचित जातियों पर अत्याचार और उनसे भेदभाव के मामलों का उल्लेख किया। ऐसा करते हुए उन्होंने यह संकेत करने की कोशिश की कि ये सारे काम भाजपा और आरएसएस के कारण हो रहे हैं। इससे यही पता चलता है कि वे न तो भाजपा की रीति-नीति से परिचित हैं और न ही आरएसएस की विचारधारा से। यदि उन्होंने इस संगठन की कार्यप्रणाली को समझने की थोड़ी भी कोशिश की होती तो उन्हें पता चलता कि इसने अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के बीच जाकर कैसे कार्य किए हैं। इस संगठन के अनेक प्रकल्प तो अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के उत्थान के लिए ही चलाए जा रहे हैं। राहुल गांधी को यह भी पता होना चाहिए कि यदि भाजपा आज राजनीतिक रूप से कहीं अधिक सशक्त हो चुकी है तो इसका कारण समाज के सभी वर्गों और विशेष रूप से अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों तक उसकी पहुंच है। राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस को अनुसूचित जाति विरोधी साबित करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के उत्तराखंड दौरे के बाद उनके मंच के कथित शुद्धीकरण का जो मामला उठाया, वह इस तथ्य की अनदेखी को अधिक बयान करता है कि जिस संगठन ने यह काम किया, उसका भाजपा से कोई लेना-देना नहीं। स्पष्ट है कि तथ्यों को अपने हिसाब से मोड़ने से बात बनने वाली नहीं है।

ईरान बनाम अफ़ग़ानिस्तानः शरिया में महिलाओं की तुलनात्मक स्थिति

(लेखक- तनवीर जाफ़री)

इस्लामी जीवन पद्धति और क़ानूनी व्यवस्था को शरिया कहते हैं। शरिया में इबादत,खान-पान,पहनावा, व्यापार, विवाह, तलाक़,विरासत, अपराध और सज़ा जैसे जीवन के तमाम पहलू शामिल हैं। इसके द्वारा क़ुरान ,सुन्नत,हदीस ,इज्मा व क़यास जैसे पुराने स्थापित नियमों के आधार पर नए ज़माने की समस्याओं का हल निकालने का दावा किया जाता है। परन्तु आज के आधुनिक दौर में सऊदी अरब,अफ़ग़ानिस्तान व ईरान जैसे देशों में जहां शरिया को देश के मुख्य संविधान और आपराधिक क़ानून के रूप में लागू किया गया है वहीं भारत, पाकिस्तान,मिस्र और इंडोनेशिया जैसे देशों में शरिया केवल पर्सनल लॉ विवाह, तलाक़ , संपत्ति तक ही सीमित है,जबकि इन्हीं देशों में अपराधिक मामलों के लिए देश का धर्मनिरपेक्ष क़ानून लागू होता है। अफ़ग़ानिस्तान की तालिबान सरकार व संगठन शरिया के नाम पर अत्यंत रूढ़िवादी और क़बीलाई व्याख्या लागू करती है। जबकि पाकिस्तान में भी शरिया क़ानून पूरी तरह लागू नहीं है, बल्कि वहाँ एक हाइब्रिड या मिश्रित क़ानूनी प्रणाली काम करती है। जिसमें ब्रिटिश काल के धर्मनिरपेक्ष सामान्य क़ानून और इस्लामी शरिया क़ानून दोनों का मिश्रण है। सवाल यह है कि जब इस्लाम धर्म का कलमा एक, क़ुरआन एक, रसूल एक नमाज़,रोज़ा हज,ज़कात सब एक तो इस्लामी देशों में ही शरिया क़ानून की व्याख्या अलग अलग क्यों? और यदि अलग है तो इसमें सही कौन और ग़लत कौन? और दुनिया किस शरिया व्यवस्था को सही व इस्लामी शरिया के रूप में देखे? इसी सन्दर्भ में केवल ईरान व अफ़ग़ानिस्तान में लागू शरिया क़ानून व इसके अंतर्गत दोनों देशों में महिलाओं की स्थिति व उनपर पड़ने वाले प्रभाव का जायज़ा लेने की कोशिश करते हैं। अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान शासन के दौरान गत पांच वर्षों में वहां की महिलाओं की स्थिति को लेकर जो रिपोर्ट्स संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न वैश्विक मानवाधिकार संगठनों द्वारा तैयार की गयी है उसके मुताबिक़ वहाँ महिलाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। रिपोर्ट्स के अनुसार अफ़ग़ानिस्तान में महिलाओं को सार्वजनिक जीवन से पूरी तरह मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। अफ़ग़ानिस्तान दुनिया का एकमात्र देश है जहां लड़कियों की माध्यमिक और उच्च शिक्षा आधिकारिक रूप से प्रतिबंधित है। यहाँ कक्षा 6 से आगे लड़कियों के स्कूल जाने और महिलाओं के विश्वविद्यालय जाने पर पूरी तरह रोक है। तालिबान ने विश्वविद्यालयों से महिलाओं से जुड़े 18 कोर्स हटा दिए हैं और महिलाओं द्वारा लिखी गई लगभग 140 किताबों को भी प्रतिबंधित कर दिया है। ऐसी ही सख्त पाबंदियों के चलते अब अफ़ग़ानिस्तान में केवल 7ब महिलाएँ ही रोज़गार में बची हैं। यहां महिलाओं को ग़ैर-सरकारी संगठनों, सरकारी मंत्रालयों और सार्वजनिक क्षेत्रों में काम करने से रोक दिया गया है। ब्यूटी पार्लर्स को भी पूरी तरह बंद कर दिया गया है, जिससे लाखों महिलाओं की कमाई का ज़रीया छिन गया। नए तालिबानी क़ानून और क्रिमिनल कोड वर्ष 2026 में तालिबान के सुप्रीम लीडर हिबतुल्लाह अखुनज़ादा द्वारा हस्ताक्षरित 90 पन्नों की नई दंड संहिता ने महिलाओं की स्थिति को दासों जैसा बना दिया है। इस नए क़ानून के तहत पति को अपनी पत्नी या बेटी को शारीरिक सज़ा देने यानी उसे पीटने की अनुमति है, बशर्ते कि महिला की कोई हड्डी न टूटे या शरीर पर गहरा खुला घाव न दिखाई दे । अफ़ग़ानिस्तान में यदि कोई महिला अदालत जाना चाहती है, तो उसे पूरी तरह ढके होकर अपने उसी पुरुष अभिभावक,पति या भाई के साथ आना होगा, जिसने उस पर अत्याचार किया है। महिलाओं से तलाक़ का अधिकार छीन लिया गया है, जबकि बाल विवाह को बढ़ावा देने वाले नियमों को कड़ा किया गया है। महिलाएँ बिना किसी पुरुष रिश्तेदार के घर से बाहर लंबी दूरी की यात्रा व सार्वजनिक परिवहन का उपयोग नहीं कर सकतीं। यहाँ सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के ऊँची आवाज़ में बोलने पर भी पाबंदी लगा दी गई है। महिलाओं के पार्क, जिम, मनोरंजन केंद्रों और मेलों में जाने पर पूरी तरह रोक है। लड़कियों की मेडिकल शिक्षा बंद होने के कारण आने वाले समय में देश में महिला डॉक्टरों और दाइयों की भारी कमी होने वाली है। अफ़ग़ान संस्कृति में महिलाएँ पुरुष डॉक्टरों से इलाज नहीं करवा सकतीं, जिसके कारण डॉक्टरों और दाइयों की कमी से मातृ मृत्यु दर में 50% से अधिक की वृद्धि की आशंका जताई गई है। इस तालिबानी दमनकारी माहौल के कारण अफ़ग़ान महिलाओं में मानसिक अवसाद, अकेलेपन और आत्महत्या की प्रवृत्तियों में भारी उछाल आया है। यहाँ की 70% से अधिक महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य बेहद ख़राब है। विभिन्न वैश्विक मंचों पर मानवाधिकार कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार तालिबान के इस क्रूर तंत्र का विरोध किया जा रहा है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मदद में कटौती और तालिबान की हठधर्मी के कारण अफ़ग़ान महिलाओं की स्थिति दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। वास्तव में अफ़ग़ानिस्तान में शरिया का कम वहाँ की स्थानीय पश्तून क़बीलाई संस्कृति का अधिक प्रभाव है।

उधर ईरान के शरिया मॉडल व इस्लाम के बुनियादी सिद्धांतों व हदीस अनुसार, ज्ञान प्राप्त करना हर मुस्लिम पुरुष और महिला का कर्तव्य है। यहाँ महिलाओं को पीएचडी और चिकित्सा सहित उच्च शिक्षा प्राप्त करने की पूरी अनुमति है। ईरान में महिलाओं की शिक्षा पर कोई प्रतिबंध न होने की वजह से ही यहाँ महिला साक्षरता दर 85% से अधिक है। इसके अलावा, ईरान के विश्वविद्यालयों में 50% से 60% छात्र महिलाएँ हैं, जो विज्ञान, इंजीनियरिंग और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। अधिकांश वैश्विक इस्लामी विद्वान ईरान के इस क़दम को शरिया के अनुकूल मानते हैं। ईरान के शरिया मॉडल में महिलाओं को संपत्ति रखने, व्यापार करने और अपनी कमाई पर पूरा अधिकार रखने की स्वतंत्रता दी गई है। ग़ौर तलब है कि पैग़ंबर हज़रत मोहम्मद की पत्नी हज़रत ख़दीजा स्वयं एक बड़ी व्यवसायी थीं। ईरान में महिलाएँ डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक और संसद सदस्य बन सकती हैं। वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकती हैं, जो शरिया के आर्थिक अधिकारों के दायरे में आता है। ईरान में हिजाब या शालीनता शरिया का एक हिस्सा है, लेकिन इसे लागू करने के तरीक़ों पर विवाद है। यहाँ हिजाब अर्थात बालों को ढकना अनिवार्य है और इसका उल्लंघन करने पर नैतिकता पुलिस द्वारा सज़ा भी दी जाती है। मानवाधिकार विशेषज्ञ इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता और शरिया की अति-कट्टर व्याख्या मानते हैं। ईरान में शरिया आधारित क़सास (जैसे को तैसा) और इस्लामी दंड क़ानून लागू हैं, लेकिन इसमें एक आधुनिक क़ानूनी प्रक्रिया यानी अदालतें, वकील और अपील का अधिकार शामिल है। जबकि अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान की न्याय प्रणाली पूरी तरह अनौपचारिक और क़बीलाई है, जहाँ कोड़े मारना, पत्थरों से मारना,और सार्वजनिक रूप से फांसी देना आम है। अफ़ग़ानिस्तान में महिलाओं को क़ानूनी सुरक्षा या निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार न के बराबर है।

दूर करें अध्यात्म विद्या का अभाव

अध्यात्म विद्या के विषय में अधिकांश भौतिक विद्वान शिक्षा को ही विद्या मान बैठते हैं। वे विद्या और शिक्षा के अंतर को भी समझने में असमर्थ हैं जबकि विद्या और शिक्षा में धरती और आसमान का अंतर है। इस विषय को स्पष्ट करते हुए महात्मा परमचेतनानंद ने अपने प्रवचन में कहा कि शिक्षा शब्द शिक्ष धातु से बना है जिसका अर्थ है सीखना। भौतिक शिक्षा अनुकरण के द्वारा सीखी जाती है जिसका संबंध ज्ञानेन्द्रियों, कर्मेंद्रियों व मन बुद्धि तक सीमित है। इसके अतिरिक्त विद्या शब्द विद् धातु से बना है जिसका अर्थ है जानना अर्थात् वास्तविक ज्ञान।

यह ज्ञान स्वयं अंदर से प्रकट होता है, इसे ही अध्यात्म ज्ञान कहा जाता है। इसे आत्मा की गहराई में पहुंचने पर ही जाना जाता है। शिक्षा के विद्वान अहंकार से ग्रसित होते हैं, उनमें विनम्रता का अभाव होता है जबकि विद्या का प्रथम गुण विनम्रता है। विद्या वास्तव में मानव की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है।

इस अध्यात्म विद्या से मानव निष्काम कर्म योगी बनता है जो सभी को समान भाव से देखता है। पहले निष्काम कर्म योगी को ही प्रजा अपना राजा चुनती थी। वे अपने पुत्र तथा अन्य प्रजा के साथ समान रूप से न्याय करते थे। आज के असमय में अध्यात्म विद्या का अभाव होने के कारण राजा और प्रजा दोनों ही अशांत हैं फिर भी इसे ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबकि अध्यात्म विद्या के वेत्ता तत्वदर्शी संत आज भी मौजूद हैं।

विचार मंथन

हिंदू राष्ट्र का मतलब, मुसलमानों के बिना नहीं

(लेखक- सनत जैन)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉक्टर मोहन भागवत ने शनिवार को वन वर्ल्ड वन ह्यूमैनिटी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जो कहा है, उसकी विश्व भर में चर्चा हो रही है। विशेष रूप से भारत में उनके बयान पर बड़ी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रहीं हैं। मोहन भागवत ने न्यूयार्क में विचार व्यक्त करते हुए कहा, मानवता की एकता, भारत का पारंपरिक विचार है। हमारे नेताओं ने संविधान पर जोर दिया है। लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है, भारत की राजनीति स्वार्थ आधारित हो गई है। जहां मैं और मेरा है वहां समाधान नहीं मिल रहा है। भागवत बोले सामाजिक धार्मिक संगठन राजनीति और सामाजिक व्यवस्था को प्रभावित करना चाहें, तो लोकतंत्र में जनमत से ही सरकार चलती है। हमें मजबूत जनमत तैयार करना होगा, जो राजनीति को प्रभावित करे। उन्होंने कहा सारे रास्ते ईश्वर तक ले जाते हैं। मानव जीवन की अपनी गरिमा है। मनुष्य जीवन में किसी भी आधार पर कोई भेद नहीं किया जा सकता है। जब हम हिंदू राष्ट्र की बात करते हैं, उस समय कोई हिंदू यह नहीं सोचता है, कि भारत में मुस्लिम नहीं होने चाहिए। पूरी मानवता एक है। विविधता हमारी आंतरिक एकता को मजबूत करती है। हमें उसको स्वीकार करते हुए सभी का सम्मान करना चाहिए। मोहन भागवत ने जो कहा है, उससे किसी को कोई एतराज नहीं हो सकता है। पिछले 12 वर्षों में जिस तरह से भारत में मुसलमान और ईसाइयों को लेकर 80-20 का जो विवाद पैदा किया गया है, भारत में जिस तरह से धार्मिक एवं जाति समीकरण की दिशा में राजनीति बढ़ती चली जा रही है।

मुसलमानों और ईसाइयों को एक विचारधारा के लोगों द्वारा तरह-तरह से प्रताड़ित किया जा रहा है। उनके ऊपर दबाव बनाया जा रहा है, वह दोयम दर्जे के नागरिक बनकर रहें। खाना-पीना, शिक्षा और धार्मिक क्रियाकलाप हिंदुओं द्वारा तय किए जा रहे है। अन्य धर्म एवं जाति आधार उन्हीं का पालन करने का दबाव सरकारी संरक्षण में बनाया जा रहा है। ऐसी स्थिति में उन्होंने अमेरिका में जो कहा है, वह अलग है भारत में जो हो रहा है, वह अलग है। मोहन भागवत के विदेश प्रवास के पहले ही अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा एवं अन्य स्थानों पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया देखने को मिली है। मोहन भागवत के वीजा को रद्द करने और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाने जैसी मांग अमेरिका में बड़ी तेजी के साथ उभरी है। जिसके कारण मोहन भागवत का यह दौरा विवादों से घिरा हुआ है। सबसे बड़ी बात यह है, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख, समय-समय पर जो कहते हैं, उस पर वह ज्यादा समय तक स्थिर नहीं रहते हैं। हाल ही में जब वह अमेरिका के दौर में गए वहां पर उनके उद्योगपतियों से भेंट के कार्यक्रम को गुप्त रखा गया। भारत में निवेश करने के लिए उद्योगपतियों को जो कठिनाइयां हो रही हैं उस पर उन्होंने चर्चा की है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संघ के स्वयंसेवक रह चुके हैं। भारत और सारी दुनिया के देशों में यह माना जाता है, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सलाह पर ही वर्तमान सरकार पिछले 12 वर्षों से काम कर रही है। ऐसी स्थिति में मोहन भागवत के इस बयान को अमेरिका में गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। विश्व के कई देशों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सैकड़ो अनुवांशिक संगठन है। जो अलग-अलग तरीके से अपनी बात करते हैं। ऐसा कोई वर्ग नहीं है, जिसके बारे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उनके अनुवांशिक संगठन तरह-तरह से हस्तक्षेप करके संबधित वर्ग को अपने पक्ष में लाने का प्रयास न करते हों। वह जो कहते हैं, वह करते नहीं है। कुल मिलाकर हिंदुत्व और हिंदू राष्ट्र की परिकल्पना को लेकर एक कट्टर संगठन के रूप में भारत और दुनिया के देशों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पहचान बनी है। विदेश में एक कट्टरवादी संगठन के रूप में संघ को पहचान मिली है।

भारत में ईसाई और मुस्लिमो के साथ जिस तरह का व्यवहार किया जा रहा है, उसकी चर्चा पिछले एक दशक से दुनिया के देशों में हो रही है। इस छवि को मिटा पाना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उनके अनुवांशिक संगठनों के लिए बहुत आसान नही है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानव अधिकार आयोग संगठन एवं अन्य धार्मिक संगठन यह मानकर चलते हैं, भारत में मानव अधिकारों का उल्लंघन अल्पसंख्यक समुदाय के साथ हो रहा है। इसमें भारत सरकार की भी सहमति है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक की कथनी और करनी में बड़ा अंतर देखने को मिलता है। ऐसी स्थिति में संघ प्रमुख मोहन भागवत का यह विदेश दौरा संघ और वर्तमान सरकार के हितों का संवर्धन किस तरह से कर पाएगा? इसको लेकर चर्चाएं हो रही हैं। जिस तरह के राजनीतिक संकट से भारत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार सामना कर रही है, उससे निपटने के लिए, अब संघ ने स्वयं कमान संभाली है। मोहन भागवत के इस दौरे को इसी रूप में देखा जा रहा है।

यह कितना सफल होगा, इसका पता तो भविष्य में ही लगेगा। जिस तरह से अमेरिका और यूरोप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उनके अनुवांशिक संगठनों के खिलाफ वातावरण देखने को मिल रहा है, वह संघ और भारत सरकार के लिए चिंता का विषय है। जब तक कथनी और करनी में समानता नहीं होगी, तब तक यह संकट बना रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मेटा की भारत प्रमुख संध्या देवनाथन ने छोड़ी कंपनी

देवनाथन ओपनएआई से जुड़ीं; सिंगापुर से संभालेंगी कमान

नई दिल्ली ।

मेटा की भारत प्रमुख संध्या देवनाथन करीब 10 साल बाद कंपनी छोड़ने जा रही हैं। वह अब ओपनएआई से जुड़ेंगी। यहां उन्हें दक्षिण-पूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया की उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। इस नई भूमिका में वह सिंगापुर में रहेंगी और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के प्रबंध निदेशक किरण मणी को रिपोर्ट करेंगी। यह ओपनएआई में बनाई गई नई भूमिका है। देवनाथन के जिम्मे दक्षिण-पूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया में ग्राहकों की संख्या बढ़ाना, कंपनियों में ओपनएआई की सेवाओं का इस्तेमाल बढ़ाना और दूसरी कंपनियों के साथ साझेदारी करना होगा। इसके अलावा सरकारी नियमों से जुड़े मामलों और इन दोनों क्षेत्रों में कंपनी के कामकाज की जिम्मेदारी भी उनके पास होगी। संध्या देवनाथन ने 2016 में मेटा जॉइन की थी। उस समय सिंगापुर में कंपनी के करीब 300 कर्मचारी थे। मेटा में काम के दौरान उन्होंने सिंगापुर और वियतनाम में कंपनी के कारोबार और टीमों को खड़ा करने में मदद की। दक्षिण-पूर्व एशिया में ऑनलाइन खरीदारी से जुड़े काम को आगे बढ़ाने में भी उन्होंने भूमिका निभाई। 2020 में उन्हें एशिया-प्रशांत क्षेत्र में गेमिंग कारोबार की जिम्मेदारी दी गई। यह मेटा के दुनिया भर के बड़े कारोबारों में से एक था। इसके बाद 2023 में उन्हें भारत में मेटा की प्रमुख बनाया गया। कंपनी छोड़ने की जानकारी संध्या देवनाथन ने शुक्रवार को लिक्डिंन पर दी। उन्होंने अपने करीब 10 साल के सफर को याद करते हुए कहा कि जब वह 2016 में मेटा से जुड़ी थीं, तब हर तरफ डिजिटल बदलाव की बात हो रही थी। उस समय कंपनी स्टार्टअप, कारोबारियों और रचनाकारों के साथ मिलकर पूरे क्षेत्र में डिजिटल दुनिया को आगे बढ़ाने पर काम कर रही थी। मेटा के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के उपाध्यक्ष बेंजामिन जो ने देवनाथन की मेहनत, लगन और काम के प्रति उनके जुनून की तारीफ की। उनके जाने के बाद मेटा के प्रबंध निदेशक और भारत प्रमुख अरुण श्रीनिवास सीधे जो को रिपोर्ट करेंगे।

अगले हफ्ते 90 कंपनियां बांटेंगी डिविडेंड

मुंबई ।

शेयर बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए अगला हफ्ता कमाई के लिहाज से बेहद खास रहने वाला है। 31 अगस्त से 4 सितंबर के बीच करीब 90 कंपनियां अपने शेयरधारकों को लाभांश (डिविडेंड) देने जा रही हैं। यह निवेशकों की झोली में अतिरिक्त धन आने का अवसर है, जिस पर डिविडेंड से आय चाहने वाले निवेशकों की नजर रहेगी। इस लिस्ट में दिग्गज और स्थापित कंपनियों के साथ-साथ कई मिडकैप और स्मॉलकैप फर्म्स भी शामिल हैं। कंपनियां फाइनल, अंतरिम और स्पेशल डिविडेंड देंगी। सर्वाधिक डिविडेंड देने वाली प्रमुख कंपनियों में प्रॉक्टर एंड गैंबल हाइजीन एंड हेल्थ केयर 60 रुपये, बंगाल एंड असम कंपनी 50 रुपये और वाडीलाल इंडस्ट्रीज 43 रुपये का लाभांश देगी। वहीं फेडरल-मोगुल गोएत्जे (इंडिया) 86.50 रुपये का बड़ा स्पेशल डिविडेंड घोषित करेगी।

एनबीएफसी का ऐलान- वित्तवर्ष 26 के लिए 500 फीसदी डिविडेंड की सिफारिश

निवेशकों को हर शेयर पर मिलेंगे 50 रुपये, 1 सितंबर तय हुई रिकॉर्ड

मुंबई ।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बंगाल एंड असम कंपनी लिमिटेड ने अपने निवेशकों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 हेतु हर इक्विटी शेयर पर 50 रुपये के अंतिम डिविडेंड की सिफारिश की है। यह डिविडेंड फेस वैल्यू का 500 फीसदी है, जो निवेशकों के लिए एक बड़ी खबर है। डिविडेंड की पूरी बात कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले हर इक्विटी शेयर पर 50 रुपये के डिविडेंड की सिफारिश की है, जो 500 फीसदी बैठता है। हालांकि, इस डिविडेंड का भुगतान तभी होगा जब आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारक इसे मंजूरी देंगे। मंजूरी मिलने के बाद, डिविडेंड की रकम एजीएम खत्म होने की तारीख से तीन से चार सप्ताह के भीतर शेयरधारकों के खातों में भेज दी जाएगी। रिकॉर्ड डेट और एजीएम कंपनी ने डिविडेंड के लिए 1 सितंबर, 2026 को रिकॉर्ड डेट निर्धारित की है। इसी तारीख के आधार पर यह तय किया जाएगा कि किन शेयरधारकों को डिविडेंड का भुगतान किया जाएगा। बंगाल एंड असम कंपनी की वार्षिक आम बैठक 8 सितंबर, 2026 को होगी, जहां वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 50 रुपये प्रति शेयर के डिविडेंड प्रस्ताव पर शेयरधारकों की मंजूरी ली जाएगी।

जीडीपी, कच्चे तेल की कीमतें और अमेरिकी रोजगार तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

वाहन बिक्री, एफपीआई और पश्चिम एशिया में तनाव भी बाजार की चाल को देंगे दिशा

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए आगामी सप्ताह बेहद अहम रहने वाला है। विश्लेषकों का मानना है कि घरेलू सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े और अमेरिका की गैर-कृषि रोजगार रिपोर्ट इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों की दिशा और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की चाल को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे आने वाले दिनों में अस्थिरता बढ़ने की संभावना है। बाजार के एक विशेषज्ञ ने कहा कि यह सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों के कारण बाजार के लिए काफी अहम रहने वाला है। भारत के वित्त वर्ष की पहली तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े 31 अगस्त को जारी किए जाएंगे, जिन पर निवेशकों की बारीक नजर रहेगी। इसके अलावा अगस्त के विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़े, वाहन बिक्री के आंकड़े, जीएसटी संग्रह और विदेशी मुद्रा भंडार जैसे घरेलू कारक भी बाजार की चाल को प्रभावित करेंगे। रुपये की चाल पर भी नजर रखी जाएगी। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका की गैर-कृषि रोजगार रिपोर्ट (4 सितंबर) सबसे महत्वपूर्ण संकेतक होगी। यह आंकड़ा सितंबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व

की मौद्रिक नीति (ब्याज दरों) को लेकर बाजार की उम्मीदों को नया स्वरूप दे सकता है, जिससे अमेरिकी डॉलर, बॉन्ड प्रतिफल और उभरते बाजारों में विदेशी पूंजी प्रवाह पर गहरा असर पड़ेगा। एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पोनमुडी आर के अनुसार, ऊंची ऊर्जा कीमतें और पश्चिम एशिया में जारी तनाव से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव बना हुआ है, जिससे जिंस कीमतों में भी तेजी आई है। इस बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त में भारतीय शेयरों में करीब 30,919 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है, जो लगातार दूसरा महीना है।

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी फंडों की वापसी, लगातार दूसरे महीने 30,919 करोड डाले

अगस्त में 30,919 करोड़ का निवेश, जुलाई में भी हुई थी खरीदारी

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीओ) का भारतीय शेयर बाजार पर भरोसा लौटता दिख रहा है। अगस्त में उन्होंने भारतीय शेयरों में 30,919 करोड़ रुपए का निवेश किया है, जो लगातार दूसरा महीना है। जुलाई में भी 20,200 करोड़ रुपए की खरीदारी हुई थी, जिसे बाजार में संभावित रुख बदलने का शुरुआती संकेत माना जा रहा है। सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार,यह खरीदारी मार्च से जून तक भारतीय बाजारों से हुई भारी निकासी के बाद आई है, जब एफपीआई ने 2.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बिकवाली की थी। हालांकि, इस साल अब तक वे अभी भी 2.23 लाख करोड़ रुपए के शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं, लेकिन हालिया प्रवृत्ति उम्मीद जगा रही है। विश्लेषकों के अनुसार रुपये की स्थिरता, चिप कारोबार में बदलाव, भारतीय कंपनियों के बेहतर मुनाफे (विशेषकर जून तिमाही में), और मजबूत आर्थिक गतिविधियों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। मॉर्निंगस्टार के एक अे धिकारी ने बताया कि कंपनियों के वित्तीय नतीजों में सुधार से मुनाफे को लेकर पहले बनी चिंताएं कम हुई हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, नकदी बाजार में विदेशी निवेशकों की वापसी उनके बढ़ते भरोसे का संकेत है, लेकिन वायदा बाजार में अभी भी सतर्कता बनी हुई है।

पहले दिन ही 2 गुना हुआ आईपीओ, निवेशक 1 सितंबर तक लगा सकते हैं दांव

नई दिल्ली,।

ईएसडीएस साफ्टवेयर सेल्युशन आईपीओ ग्रे मार्केट में इस समय एक बेहतर स्थिति में है। आईपीओ का जीएमपी 372 रुपए के स्तर पर है। जोकि 86 फीसदी के लिस्टिंग का संकेत दे रहा है। इस समय आईपीओस ग्रे मार्केट में सबसे मजबूत स्थिति में है। बता दें अगर यही जीएमपी लिस्टिंग के वक्त भी रहा तो आईपीओ एक लॉट पर 12648 रुपए का फायदा दे सकता है। ग्रे मार्केट से मिल रहे रिस्पॉन्स का ही असर है कि पहले दिन ही आईपीओ पूरी तरह से भर गया। अब तक इस आईपीओ को 2.21 गुना सब्सक्राइब किया जा चुका है। रिटेल कैटगरी में आईपीओ को अबतक 2.84 गुना, क्यूआईबी में 0.01 गुना और एनआईआई कैटगरी में 3.70 गुना सब्सक्राइब किया गया हैईएसडीएस साफ्टवेयर सेल्युशन आईपीओ का प्राइस बैंड का प्राइस बैंड 408 रुपए से 429 रुपये प्रति शेयर है।

कंपनी का लॉट साइज 34 शेयरों का है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14586 रुपए का दांव लगाना होगा। बता दें आईपीओ 28 अगस्त को खुला था।

निवेशकों के पास 1 सितंबर तक दांव लगाने का मौका है। यह आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 27 अगस्त को खुल गया था।

एंकर इनवेस्टर्स से कंपनी ने 216 करोड़ रुपए जुटाए हैं।ईएसडीएस साफ्टवेयर सेल्युशन आईपीओ का साइज 720 करोड़ रुपए का है। आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश शेयरों पर आधारित है।

आईपीओ के जरिए कंपनी 1.68 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। बता दें डेम केपिटल एडवाइजर लिमिटेड को लीड मैनेजर नियुक्त किया गया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया को रजिस्ट्रार बनाया गया है। इस आईपीओ से जुटाए 576 करोड़ रुपए से कंपनी इक्विपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए प्रयोग करेगी। बाकि पैसों का उपयोग जनरल कॉरपोरेट कार्यों के लिए होगा।

इस इश्यू में मौजूदा निवेशक शेयर नहीं बेच रहे हैं। प्रमोटर और प्रमोटर ग्रुप के पास 46.06 फीसदी हिस्सा है।

विदेशी मजबूती के बावजूद तेल-तिलहन बाजार में कहीं बढ़त, कहीं गिरावट

सरसों में सीमित बढ़त, सोयाबीन और बिनौला फिसले; आयातकों की लागत से कम बिक्री से बाजार पर दबाव

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह भारतीय खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख रहा। विदेशी बाजारों की मजबूती के बावजूद, घरेलू कारकों, विशेषकर आयातकों की लागत से कम बिकवाली, के चलते अधिकांश तेलों में या तो गिरावट आई या वे स्थिर रहे। केवल सरसों तेल-तिलहन में सीमित वृद्धि दर्ज हुई। सरसों तेल-तिलहन में विदेशी बाजारों की मजबूती से मामूली बढ़त दिखी। हालांकि, सीमित उपलब्धता के बावजूद ऊंची कीमतें खरीदारों को हतोत्साहित कर रही हैं, जिससे लिवाली कमजोर बनी हुई है। दूसरी ओर सोयाबीन तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दामों में गिरावट आई। सूत्रों के अनुसार, बड़े संयंत्रों द्वारा सस्ते में खरीद के प्रयास और आयातकों की लागत से नीचे की बिकवाली ने सोयाबीन पर दबाव बनाया, भले ही उसकी उपलब्धता कम थी। मूंगफली तेल-तिलहन और कच्चे पामतेल (सीपीओ) व पामोलीन तेल के दाम स्थिर रहे। सोमवार को मलेशिया एक्सचेंज बंद रहेगा। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये की मजबूती के साथ 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सरसों तेल दादरी 100 रुपये के सुधार के साथ 16,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमशः 15-15 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,735-2,835 रुपये और 2,735-2,885 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 100-100 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,675-6,725 रुपये और 6,525-6,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।इसी तरह, दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 15,750 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

एसबीआई बेचेगा एनएसई के आईपीओ में हिस्सेदारी

आवास ऋण पोर्टफोलियो जल्द 10 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और उसकी अनुषंगी एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के बहुप्रतीक्षित 30,000 करोड़ रुपये के आईपीओ में अपनी कुल एक प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचेंगे। बैंक के चेयरमैन सीएसशेट्टी ने बताया कि एसबीआई का आवास ऋण पोर्टफोलियो भी चालू तिमाही में 10 लाख करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण आंकड़े को पार करने की उम्मीद है। एक साक्षात्कार में शेट्टी ने पुष्टि की कि एसबीआई एनएसई के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में भाग लेगा और अपनी 0.65 प्रतिशत हिस्सेदारी का विनिवेश करेगा। उन्होंने कहा कि एसबीआई कैपिटल मार्केट्स भी अपनी 0.35 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी, जिससे एसबीआई समूह का कुल विनिवेश लगभग एक प्रतिशत होगा। फिलहाल एसबीआई के पास एनएसई में 3.23 प्रतिशत और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स के पास 4.33 प्रतिशत हिस्सेदारी है। शेट्टी ने यह भी बताया कि आवास ऋण क्षेत्र में मजबूत मांग के चलते बैंक का गृह ऋण पोर्टफोलियो चालू तिमाही में 10 लाख करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण आंकड़ा पार कर सकता है।

गहरे समुद्र में तेल-गैस खोज तेज करेगी ओएनजीसी

स्थायी क्षमता हासिल करने की कवायद, सलाहकार नियुक्त करने के लिए ईओआई जारी

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) गहरे समुद्र में तेल और गैस की खोज में तेजी लाने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव की तैयारी कर रही है। कंपनी अब गहरे पानी में ड्रिलशिप खरीदने या किसी वैश्विक कंपनी के साथ संयुक्त उद्यम (जेवी) बनाने पर विचार कर रही है। इसका मकसद विशेष खुदाई क्षमताओं तक स्थायी और प्राथमिकता के आधार पर पहुंच सुनिश्चित करना और विदेशी रिग पर निर्भरता कम करना है। यह कदम ओएनजीसी के मिशन समुद्र मंथन कार्यक्रम का हिस्सा है। इस दिशा में, ओएनजीसी ने एक वैश्विक विशेषज्ञ समुद्री रिग-ब्रोकर सलाहकार नियुक्त करने के लिए रुचि पत्र (ईओआई) जारी किया है। यह सलाहकार वैश्विक भागीदारों की पहचान कर तकनीकी-व्यावसायिक आकलन में मदद करेगा। यह पहल केंद्र सरकार की समुद्र मंथन-राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना के अनुरूप है, जिस पर 2030-31 तक 84,084 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिसका लक्ष्य घरेलू उत्पादन बढ़ाकर आयात निर्भरता कम करना है। वर्तमान में भारत में अत्याधुनिक गहरे पानी की ड्रिलशिप बनाने की क्षमता नहीं है, जिससे ओएनजीसी विदेशी कंपनियों पर निर्भर रहती है। ड्रिलशिप का स्वामित्व या संयुक्त उद्यम इस निर्भरता को कम करेगा और कंपनी को समयबद्ध तरीके से गहरे पानी में अन्वेषण कार्यक्रम चलाने में मदद मिलेगी। सरकार गहरे पानी के खोजी कुओं की लागत का 50 फीसदी तक वित्तीय सहायता भी दे रही है।

शीर्ष सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.13 लाख करोड़ से अधिक घटा

10 प्रमुख कंप नियों में भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज सर्वाधिक प्रभावित

मुंबई ।

पिछले सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार में जारी गिरावट के बीच, सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात को भारी नुकसान हुआ। इन कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,13,000 करोड़ रुपये से अधिक की कमी दर्ज की गई। इस दौरान भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक झटका लगा, जो सप्ताह की बाजार रिपोर्ट में प्रमुखता से सामने आया। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 276.32 अंक (0.35 प्रतिशत) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 76.35 अंक (0.31 प्रतिशत) गिरकर बंद हुआ। इस बाजार गिरावट का सीधा असर देश की सबसे बड़ी कंपनियों पर पड़ा।

समीक्षाधीन अवधि में, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 40,500.85 करोड़ रुपये घटकर 11,74,462.30 करोड़ रुपये रह गया, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 40,056.32 करोड़ रुपये घटकर 17,38,119.27 करोड़ रुपये पर आ गया। इन दोनों कंपनियों को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा। अन्य प्रमुख कंपनियों में, एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 11,558.35 करोड़ रुपये घटकर 11,09,600.70 करोड़ रुपये रह गई। बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में भी 10,086.05 करोड़ रुपये की कमी आई। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) ने भी अपने बाजार मूल्यांकन में क्रमशः 6,473.45 करोड़ रुपये, 3,162.5 करोड़ रुपये और 1,550.73 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की।

हालांकि, इस गिरावट के विपरीत, कुछ कंपनियों ने बढ़त भी दर्ज की। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 16,643.20 करोड़ रुपये बढ़कर 8,48,079.71 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत में 4,475.28 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में 599.99 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है, जिसके बाद भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, भारतीय जीवन बीमा निगम और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

जिंदल स्टेनलेस 'कॉइन ब्लैंक' की विनिर्माण क्षमता 20 प्रतिशत बढ़ाएगी

वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए क्षमता 10,000 से बढ़ाकर 12,000 टन सालाना की गई

हिसार।

जिंदल स्टेनलेस (जेएसएल) ने सिक्कों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कॉइन ब्लैंक की अपनी वार्षिक उत्पादन क्षमता में 20 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की है। कंपनी अपनी क्षमता को मौजूदा 10,000 टन से बढ़ाकर 12,000 टन सालाना करेगी। यह निर्णय दुनिया के विभिन्न देशों में कागजी मुद्रा के बजाय सिक्कों और अन्य धातु-आधारित मुद्रा की बढ़ती मांग को देखते हुए लिया गया है।

कंपनी के अधिकारी बताते हैं कि जिंदल स्टेनलेस भारतीय टकसालों के साथ-साथ फ्रांस, फिनलैंड, पोलैंड, नीदरलैंड, ब्रिटेन की रॉयल मिंट, मलेशिया और स्लोवाकिया जैसे कई विदेशी टकसालों को भी कॉइन ब्लैंक की आपूर्ति करती है। कॉइन ब्लैंक सिक्के का प्रारंभिक धातु रूप होता है, जिस पर टकसाल में विशेष मशीन से डिजाइन और अंक उकेरकर उसे प्रचलन योग्य बनाया जाता है। जिंदल स्टेनलेस वैश्विक कॉइन ब्लैंक बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी है और उसे भविष्य में नए देशों से ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। इसी प्रभाग में रेजर ब्लेड और प्रिसीजन स्ट्रिप जैसे अन्य उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद भी बनाए जाते हैं। कंपनी ने हाल ही में रेजर ब्लेड की वार्षिक उत्पादन क्षमता 13,200 टन से बढ़ाकर 19,500 टन की है, जिनकी आपूर्ति भारत सहित पोलैंड, वियतनाम, चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में की जाती है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए, हिसार स्थित जिंदल स्टेनलेस संयंत्र में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज प्रणाली लागू है, जिससे औद्योगिक अपशिष्ट जल का बाहरी निस्तारण नहीं होता।

कंपनी इस वर्ष संयंत्र में हरित ऊर्जा की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से बढ़ाकर 80 प्रतिशत करने पर भी काम कर रही है।

सुभाष चंद्रा दिवालिया मामला- एनसीएलटी के फैसले के खिलाफ बैंक एकजुट

22,000 करोड़ से अधिक के दावे के बदले 6.25 करोड़ के प्रस्ताव पर आपत्ति

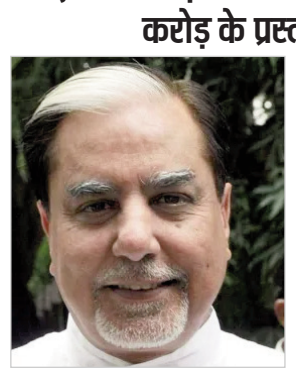

मुंबई ।

एस्सेल ग्रुप के संस्थापक सुभाष चंद्रा से जुड़े दिवालिया मामले में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) के एक विवादास्पद फैसले ने वित्तीय संस्थानों को एकजुट कर दिया है। एनसीएलटी ने चंद्रा के उस रिपेमेंट प्लान को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत लेनदारों के 22,000 करोड़ रुपये से अधिक के स्वीकृत दावों के मुकाबले उन्हें केवल 6.25 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव है। सार्वजनिक और कुछ निजी क्षेत्र के कई वित्तीय संस्थानों ने इस फैसले को अव्यावहारिक और गैर-कानूनी बताते हुए नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसरएनएटी) में चुनौती देने का ऐलान किया है। कैनरा बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस जैसे प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने इस भुगतान योजना का खुलकर विरोध किया था। इन बैंकों ने लेनदारों की बैठक में योजना के खिलाफ मतदान भी किया, लेकिन निजी लेनदारों के बहुमत में पक्ष में वोट करने के कारण इसे एनसीएलटी से मंजूरी मिल गई।

कैनरा बैंक द्वारा फोरेंसिक ऑडिट की मांग भी कम वोटिंग हिस्सेदारी के चलते खारिज हो गई थी। एलआईसीएचएफएल ने एनसीएलटी के सामने अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि 1,322 करोड़ रुपये से अधिक के उसके स्वीकृत दावे के मुकाबले प्रस्तावित 38 लाख रुपये की रकम बेहद कम है, जो अव्यावहारिक और कानून के खिलाफ है। एचडीएफसी ने भी इस सेटलमेंट का विरोध कर प्लान के खिलाफ वोट किया था। यह मामला सुभाष चंद्रा के खिलाफ व्यक्तिगत गारंटर के तौर पर इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस द्वारा शुरू की गई दिवालिया कार्यवाही से जुड़ा है। अब सभी आपत्ति जताने वाले बैंक एनसीएलएटी से न्याय की गुहार लगाएंगे।

31 अगस्त से 6 सितंबर तक बैंकों का पूरा शेड्यूल, कब खुले, कब बंद?

नई दिल्ली ।

अगर आप अगले हफ्ते बैंक जाने की सोच रहे हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। सितंबर का पहला हफ्ता बैंक छुट्टियों के मामले में मिला-जुला रहेगा। जन्माष्टमी और रविवार के कारण कुछ दिनों तक बैंक बंद रहेंगे, लेकिन सभी जगह एक साथ नहीं। हालांकि, ये छुट्टियां हर राज्य में एक जैसी नहीं होंगी, इसलिए बैंक जाने से पहले अपने शहर की अवकाश सूची जांच लेना बेहद जरूरी है। भारतीय रिजर्व बैंक के कैलेंडर के अनुसार, 31 अगस्त से 6 सितंबर के बीच बैंक शाखाओं में कामकाज की स्थिति अलग-अलग रहेगी। ग्राहकों को असुविधा से बचने के लिए इन तिथियों को ध्यान में रखना चाहिए। 4 सितंबर (शुक्रवार) को जन्माष्टमी के अवसर पर कई राज्यों और शहरों में बैंक बंद रहेंगे। इनमें अहमदाबाद, जयपुर, लखनऊ, कोलकाता, पटना, भोपाल, चेन्नई और शिमला समेत कई अन्य शहरों की बैंक शाखाएं शामिल हैं। हालांकि, यह छुट्टी देशभर में लागू नहीं होगी, इसलिए अन्य शहरों में बैंक सामान्य रूप से खुले रहेंगे। 5 सितंबर (शनिवार) के बारे में भ्रम हो सकता है, लेकिन यह महीने का पहला शनिवार है। बैंक आमतौर पर दूसरे और चौथे शनिवार को बंद रहते हैं, इसलिए 5 सितंबर को बैंक शाखाएं सामान्य रूप से काम करेंगी। इसके बाद, 6 सितंबर (रविवार) को साप्ताहिक अवकाश के कारण देशभर में बैंक बंद रहेंगे। इस दिन किसी भी बैंक शाखा में कोई कामकाज नहीं होगा। बैंक बंद रहने के बावजूद, ग्राहक यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम जैसी डिजिटल सेवाओं का उपयोग जारी रख सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उथप्पा को आईपीएल से मिले थे 3.2 करोड़: अचानक मिले पैसों से डिप्रेशन में गए थे, बोले- आत्महत्या तक के ख्याल आए

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने अपने प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंकडइन पर एक बेहद भावुक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि कैसे साल 2008 में मिले उनके पहले 3.2 करोड़ रुपये के आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट ने उन्हें मानसिक रूप से पूरी तरह तोड़ दिया था।

उथप्पा ने कहा, 21-22 साल की उम्र में इतनी बड़ी रकम (3.2 करोड़ रुपये) मिली, जो उनकी कई पीढ़ियों ने भी नहीं कमाई थी। उनके आस-पास कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जो इतनी बड़ी रकम को संभालने या निवेश करने की सही सलाह दे सके। अचानक मिले इस पैसे ने उनके रिश्तों और फैसलों को बदल दिया। साल 2009 तक आते-आते वे गंभीर अवसाद (क्लिनिकल डिप्रेशन) के शिकार हो गए।

उन्होंने खुलासा किया कि वे साउथ अफ्रीका के एक होटल की 23वीं मंजिल की खिड़की पर बैठकर खुदकुशी करने के विचार से जूझ रहे थे। उस वक्त उनकी करोड़ों की कमाई का कोई मोल नहीं रह गया था। उथप्पा ने आज के युवा एथलीट्स, स्टार्टअप फाउंडर्स और आंत्रप्रेन्योर्स को सीख दी है कि 'पैसा कभी आपकी जीत नहीं होता, बल्कि यह आपकी परीक्षा होता है। उथप्पा ने कहा,मुझे मेरा पहला आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट 2008 में मिला था। मैं सिर्फ 21 साल का था। मैंने कभी सपने में भी इतने पैसों की उम्मीद नहीं की थी। 30 साल की उम्र में भी नहीं, 40 में भी नहीं। शायद कभी भी नहीं। आज मैं हर उस युवा खिलाड़ी, आंत्रप्रेन्योर (उद्यमी) या स्टार्टअप फाउंडर को बताना चाहता हूं, जिसे अचानक बड़ी कामयाबी या पैसा मिलता है जब बहुत सारा पैसा आता है, तो बहुत सारे लोग भी आते हैं। आपके दिमाग में दस लाख विचार आते हैं। उन विचारों से लाखों उलझनें पैदा होती हैं। उन उलझनों से आपसी बातचीत में गलतफहमियां होती हैं और यह सब आपको बहुत ही मुश्किल हालातों में लाकर खड़ा कर देते हैं।

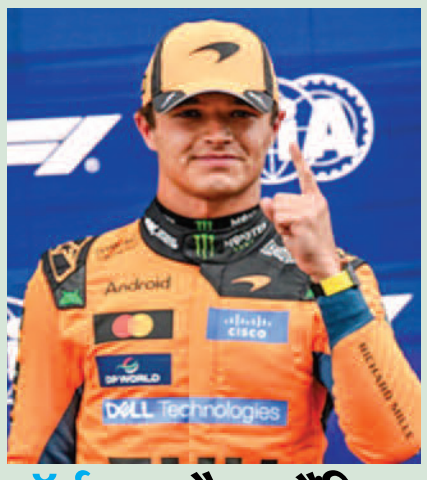

फॉर्मूला 1: मौजूदा चैंपियन लैंडो नॉरिस ने मैकलारेन के साथ बढ़ाया करार

नई दिल्ली। मौजूदा फॉर्मूला 1 चैंपियन लैंडो नॉरिस ने मैकलारेन के साथ अपना करार आगे बढ़ाने का फैसला किया है। वह कम से कम 2030 सीजन के आखिर तक ब्रिटिश टीम के लिए रेस करेंगे। इस डील में 2030 के बाद भी कई साल तक जुड़े रहने का विकल्प शामिल है।

2017 में टीम से जुड़े थे नॉरिस

इस करार के बढ़ने से नॉरिस 'पपाया' (मैकलारेन टीम का उपनाम) के साथ एक दशक से ज्यादा समय तक बने रहेंगे। वह 2017 में टेस्ट और डेवलपमेंट ड्राइवर के तौर पर टीम से जुड़े थे और 2019 में उन्हें ग्रिड पर रेस करने का मौका मिला था। एफ1 की रिपोर्ट के अनुसार, नॉरिस ने कहा, मैं बहुत ज्यादा उत्साहित हूं। फॉर्मूला 1 में मेरे करियर की शुरुआत से ही मैकलारेन मेरा घर रहा है और मैं चाहता हूं कि यह आगे भी ऐसा ही बना रहे। हमारे पिछले कुछ साल बहुत अच्छे रहे हैं और मुझे भरोसा है कि हम आगे भी कई बार ऐसी सफलता हासिल कर सकते हैं। इसलिए मैं यहीं बने रहना चाहता हूं। माना जा रहा था कि नॉरिस की पिछली डील 2027 सीजन के आखिर में खत्म हो जाएगी, लेकिन इस नई डील के साथ वह कम से कम 12 साल तक 'पपाया' के लिए रेस करेंगे। मैकलारेन उन्हें एमसीएल39 कार तोहफे में देगी, जिससे उन्होंने रेस की और 2025 का टाइटल जीता। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि आने वाले कई वर्षों तक मैं सुरक्षित महसूस करूंगा क्योंकि मेरे पास नौकरी है। मैं वहीं हूं जहां मैं रहना चाहता हूं और उन लोगों के साथ हूं जिनके साथ मैं रहना चाहता हूं और यह बात मुझे सुकून देती है। उन्होंने आगे कहा, मैं अपने काम पर ध्यान दे सकता हूं और एक टीम के तौर पर हम उस काम पर भी ध्यान दे सकते हैं जो हम करना चाहते हैं। लोग अक्सर नतीजों को ही सबसे अहम मानते हैं और 99 प्रतिशत मामलों में वे अहम होते भी हैं, लेकिन मैं कहूंगा कि इसमें कुछ गुंजाइश भी होती है उन लोगों के साथ होने का फायदा भी मिलता है जिनके साथ मैं रहना चाहता हूं और जिनके साथ अपने करियर का सफर तय करने में मुझे मजा आता है।

भारतीय गेंदबाज को मिला काउंटी क्रिकेट का टिकट, सरे के लिए खेलेंगे कश्मीर के स्टार पेसर

नई दिल्ली: जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज औकीब नबी इंग्लैंड के काउंटी चैंपियनशिप डिविजन-1 में सरे के लिए थोड़े समय के लिए खेलते नजर आ सकते हैं। नबी को इंग्लैंड जाने का वीजा मिल गया है और वह रविवार को नई दिल्ली से इंग्लैंड के लिए रवाना होने वाले हैं। सब कुछ ठीक रहा तो वह 2 सितंबर से द ओवल में यॉर्कशायर के खिलाफ शुरू होने वाले मुकाबले में सरे का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

रणजी ट्रॉफी में मचाया था तहलका

औकीब नबी ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा 60 विकेट हासिल किए थे। उन्होंने 12.56 की औसत से विकेट चटकाकर जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके इस प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम के भविष्य के लिए एक उपयोगी तेज गेंदबाजी विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। नबी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ भारत की 1-0 से टेस्ट सीरीज जीतने वाली टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें दोनों टेस्ट मैचों में खेलने का मौका नहीं मिला।

इंग्लैंड में स्विंग गेंदबाजी पर होगी नजर

नबी के काउंटी कार्यकाल का एक अहम उद्देश्य उन्हें इंग्लैंड की तेज गेंदबाजों के अनुकूल परिस्थितियों में खेलने का अनुभव देना है। भारतीय टीम मैनेजमेंट और राष्ट्रीय चयनकर्ता यह भी देखना चाहते हैं कि नबी इंग्लैंड के मौसम और परिस्थितियों में गेंद को कितना स्विंग करा सकते हैं। आगामी टेस्ट दौरे पर न्यूजीलैंड में भी सीम और स्विंग के लिए अनुकूल परिस्थितियां मिलने की उम्मीद है। ऐसे में लाल कूकाबुरा गेंद से नबी का अनुभव उनके लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सरे के साथ तीन मैच खेलने की संभावना

सरे के लिए नबी का संभावित कार्यकाल 2 सितंबर से शुरू होने वाले यॉर्कशायर के खिलाफ मुकाबले से शुरू हो सकता है। इसके बाद सरे को 8 सितंबर को होव में ससेक्स और 15 सितंबर को द ओवल में ग्लैमरगन के खिलाफ खेलना है। नबी इन मुकाबलों के लिए भी उपलब्ध रह सकते हैं। सरे की मौजूदा टीम में भारत के लेग स्पिनर राहुल चाहर और अनकैप्ड बल्लेबाजी ऑलराउंडर महिपाल लोमरोर भी शामिल हैं।

अर्जेंटीना की टीम बनी चैंपियन

महिला हॉकी विश्वकप: नौ बार की चैंपियन नीदरलैंड को शूटआउट में हराया

एम्सटेलवीन, एजेंसी। अर्जेंटीना ने शनिवार को रोमांचक फाइनल में सह-मेजबान नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर महिला हॉकी विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया। निर्धारित समय में दोनों टीमें 1-1 से बराबर रहीं, जिसके बाद मुकाबले का फैसला शूटआउट से हुआ। अर्जेंटीना ने शूटआउट में संयम दिखाते हुए बाजी मार ली और तीसरी बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

अर्जेंटीना की ओर से विक्टोरिया ग्रानाटो, ब्रिसा ब्रगेसेर और सोफिया काइरो ने गोल किए। वहीं डियाज जो का प्रयास अमान्य करार दिया गया। नीदरलैंड के लिए केवल वीन मारिन गोल कर सकीं, जबकि पियेन सैंडर्स, फेलिस अलबर्स और मोएस फ्रीके अपने प्रयासों को गोल में नहीं बदल सकीं।

इस जीत के साथ अर्जेंटीना ने पिछली बार की हार का हिसाब भी बराबर कर लिया। पिछले विश्व कप में नीदरलैंड ने अर्जेंटीना को 3-1 से हराकर खिताब जीता था। खास बात यह है कि अर्जेंटीना ने इससे पहले 2002 और 2010 में भी नीदरलैंड को हराकर विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम की थी। नौ बार की विश्व चैंपियन नीदरलैंड के पास रिकॉर्ड 10वां खिताब जीतने का मौका था, लेकिन अर्जेंटीना ने उसके अभियान पर विराम लगा दिया। लगातार चौथी बार विश्व कप जीतने का डच टीम का सपना भी टूट गया।

यिब्बी के गोल से नीदरलैंड आगे

वेगनेर स्टेडियम में नारंगी रंग से सराबोर दर्शकों के सामने नीदरलैंड ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। शुरुआती 15 मिनट में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे क्वार्टर के आखिरी मिनट में नीदरलैंड को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। दुनिया की नंबर एक ड्रैग-फ्लिकर मानी जाने वाली यिब्बी यानसेन ने शानदार ड्रैग फ्लिक लगाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। यह टूर्नामेंट में उनका आठवां गोल था और नीदरलैंड ने 1-0 की बढ़त बना ली।

ग्रानाटो ने दिलाई बराबरी

ब्रेक के बाद अर्जेंटीना ने लगातार दबाव बढ़ाया। उसे कई पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन नीदरलैंड की अनुभवी गोलकीपर एन्ने वीनेनडाल ने शानदार बचाव करते हुए अर्जेंटीना को बराबरी करने से रोके रखा। अर्जेंटीना ने हमले जारी रखे और मैच के 54वें मिनट में आखिरकार उसे सफलता मिली। गोरजेलानी की फ्लिक को रोकने की कोशिश में डच गोलकीपर फिसल गईं और गोल के पास मौजूद कप्तान मारिया ग्रानाटो ने रिबाउंड पर गेंद को गोल में डाल दिया। स्कोर 1-1 हो गया।

शूटआउट में डच खिलाड़ियों पर दबाव

इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक बढ़त हासिल करने की कोशिश की, लेकिन कोई गोल नहीं हुआ। मुकाबला शूटआउट में पहुंचा, जहां अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। नीदरलैंड की ओर से सिर्फ वीन मारिन सफल रहीं। इसके बाद अर्जेंटीना के गोल और डच खिलाड़ियों के चूके प्रयासों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। अंततः अर्जेंटीना ने 3-1 से शूटआउट जीतकर तीसरी बार विश्व कप ट्रॉफी उठा ली।

साइकिल चलाते दिखे कोच गंभीर, दिया बड़ा संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने देश में फिटनेस को बढ़ावा देने वाली सरकार की 'फिट इंडिया' पहल की जमकर सराहना की है। रविवार को दिल्ली में आयोजित 'संडे ऑन साइकिल विद रन एंड राइड' कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए गंभीर ने कहा कि फिटनेस को केवल किसी एक दिन या कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखना चाहिए। उनके मुताबिक, स्वस्थ और फिट नागरिक ही मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की नींव बन सकते हैं।

गौतम गंभीर ने केंद्रीय मंत्री मनसुख एल. मंडाविया और अभिनेत्री मधुरिमा तुली के साथ साइकिलिंग पहल में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को साइकिल चलाने, शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लेने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। क्रिकेट के मैदान पर फिटनेस और अनुशासन को बेहद अहम मानने वाले गंभीर ने खुद इस अभियान में शामिल होकर लोगों को सक्रिय जीवनशैली का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फिटनेस प्रेमियों और अन्य लोगों ने भी हिस्सा लिया।

गंभीर ने 'फिट इंडिया' पहल को लेकर कहा कि इसका महत्व किसी एक आयोजन से कहीं ज्यादा है। उन्होंने इसे एक ऐसे अभियान के रूप में देखने की अपील की, जिसे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। गंभीर ने कहा, 'सरकार की ओर से आयोजित यह फिट इंडिया कार्यक्रम एक शानदार पहल है, क्योंकि मेरा मानना है कि भारत जितना फिट होगा, उतना ही मजबूत होगा और उतना ही अधिक आत्मनिर्भर बनेगा।

छांगटे को 'इंडियन फ़ुटबॉलर ऑफ़ द ईयर 2026' का मिला खिताब

मिज़ोरम के फ़ुटबॉल खिलाड़ी लालियानजुआला छांगटे को साल 2026 का सर्वश्रेष्ठ भारतीय फ़ुटबॉलर चुना गया है। 29 वर्षीय चांगते हाल ही में मुंबई फ़ुटबॉल क्लब से मोहन बागान में शामिल हुए हैं। उन्होंने कल रात भारतीय फ़ुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी बाइचुंग भूटिया से यह सम?मान मिला है। फ़ुटबॉल प्लेयर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया द्वारा आयोजित यह पुरस्कार साथी खिलाड़ियों के वोटों के आधार पर तय किया जाता है।

त्रिनबागो नाइटराइडर्स का बड़ा फैसला

ब्रावो की जर्सी नंबर 47 अब कोई नहीं पहन सकेगा

त्रिनिदाद। कैरेबियन क्रिकेट के दिग्गज ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने ऐसा सम्मान दिया है, जो कैरेबियन प्रीमियर लीग के इतिहास में इससे पहले किसी खिलाड़ी को नहीं मिला। फ्रेंचाइजी ने ब्रावो की मशहूर नंबर 47 जर्सी को हमेशा के लिए रिटायर करने का फैसला किया है। टीम ने यह कदम ब्रावो के फ्रेंचाइजी, सीपीएल और त्रिनिदाद एवं टोबैगो क्रिकेट में असाधारण योगदान के सम्मान में उठाया।

पहली बार किसी खिलाड़ी की जर्सी रिटायर

जमैका किंग्समेन के खिलाफ मुकाबले से पहले आयोजित समारोह में नाइट राइडर्स ग्रुप के सीईओ वेंकी मैसूर ने इस फैसले की घोषणा की। इसके साथ ही ब्रावो सीपीएल इतिहास में जर्सी रिटायर होने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। मैसूर ने कहा, 'नाइट राइडर्स और सीपीएल में ड्वेन ब्रावो के योगदान को मापना असंभव है। नंबर 47 को रिटायर करना यह सुनिश्चित करने का हमारा तरीका है कि उनकी विरासत हमेशा इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनी रहे। सीपीएल इतिहास में यह सम्मान पाने वाला उनसे बेहतर खिलाड़ी कोई और नहीं हो सकता।'

पांच बार बने सीपीएल चैंपियन

ब्रावो का सीपीएल करियर खिताबों से भरा रहा है। उन्होंने 2015 के बाद खिलाड़ी के तौर पर कुल पांच सीपीएल खिताब जीते। त्रिनबागो नाइट राइडर्स के कप्तान के रूप में उन्होंने 2017 और 2018 में लगातार दो खिताब दिलाए। इसके बाद 2021 में उन्होंने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की कप्तानी करते हुए टीम को सीपीएल चैंपियन बनाया। ब्रावो ने 2013 से 2024 तक सीपीएल में हिस्सा लिया और इस दौरान त्रिनबागो नाइटराइडर्स तथा सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के लिए कुल 107 मुकाबले खेले।

त्रिनबागो नाइटराइडर्स के मुख्य कोच हैं ब्रावो

खिलाड़ी के तौर पर फ्रेंचाइजी को ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले ब्रावो अब टीम के मुख्य कोच की भूमिका निभा रहे हैं। यानी मैदान पर उनकी जर्सी भले ही रिटायर हो गई हो, लेकिन टीम के साथ उनका रिश्ता अभी भी कायम है। सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में ब्रावो तीसरे स्थान पर हैं। उनसे आगे सुनील नरेन (139 मैच) और इमरान ताहिर (135 मैच) हैं।

पूरन ने बताया 'बिग ब्रदर'

मौजूदा त्रिनबागो नाइटराइडर्स कप्तान निकोलस पूरन ने भी ब्रावो के योगदान को याद किया। फ्रेंचाइजी द्वारा जारी वीडियो में पूरन ने कहा, 'प्रेरणा और आदर्श बनने के लिए धन्यवाद। हम बहुत खुश हैं कि आप हमारे साथ हैं। हमारे बड़े भाई बनने के लिए धन्यवाद। कई मौकों पर पिता की तरह हमारा मार्गदर्शन करने के लिए धन्यवाद। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मेरी जिंदगी में प्रेरणा बनने के लिए धन्यवाद।'

15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी में रचा इतिहास

ईशान की जगह मिली टीम की कप्तानी!

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले 15 साल के युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी रविवार को बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में सेंट्रल जोन के खिलाफ दुलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल मैच में ईस्ट जोन के कार्यवाहक कप्तान बनकर इतिहास रच दिया। बाएं हाथ के ओपनिंग बल्लेबाज इस मैच में उप-कप्तान के तौर पर उतरे थे, लेकिन रेगुलर कप्तान ईशान किशन के चोटिल होने के बाद अचानक उन पर कप्तानी सौंपी गई। किशन के मैदान से बाहर जाने के बाद इस युवा खिलाड़ी ने सेंट्रल जोन की पारी के 19वें ओवर में टीम की कमान संभाली।

शुभमन गिल (19 साल, 334 दिन) ने 2019 दिलीप ट्रॉफी के दौरान इंडिया ब्लू की कप्तानी करते हुए इस प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे कम उम्र में आधिकारिक तौर पर नियुक्त कप्तान बनने का रिकॉर्ड बनाया था।

लेकिन सूर्यवंशी को किशन के चोटिल होने के बाद यह मौका मिला जोकि नियमों के तरह कप्तान के चोटिल होने के बाद उप-कप्तान को मिलने वाली जिम्मेदारी है।

विकेटकीपिंग के दौरान किशन की दाहिनी कलाई पर चोट लगी और टीम के फिजियो ने तुरंत उनका इलाज किया। इसके बाद वे आगे की जांच के लिए मैदान से बाहर चले गए और बाद में हाथ पर पट्टी बंधवाकर लौटे। झारखंड के उनके साथी खिलाड़ी कुमार कुशाग्र ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। किशन के उपलब्ध न होने पर सूर्यवंशी ने टीम की कप्तानी संभाली, यह सीनियर पुरुष टीम के कप्तान के तौर पर उनका पहला अनुभव था।

यह मौका उन्हें ईस्ट जोन का उप-कप्तान बनाए जाने के कुछ ही हफ्तों बाद मिला जिस पर काफी बहस हुई थी। चयनकर्ताओं ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा था कि यह कदम टीम की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के बजाय उनके लंबे समय के विकास में योगदान देने के लिए उठाया गया था। ईस्ट जोन चयन समिति का हिस्सा रहे झारखंड के चयनकर्ता मनीष वर्धन ने क्रिकइन्फो से कहा था, 'हम सिर्फ वर्तमान के बारे में नहीं सोच रहे हैं।' सूर्यवंशी को यह जिम्मेदारी उनके फर्स्ट-क्लास करियर की शुरुआत में ही मिल गई। सेंट्रल जोन के खिलाफ यह मैच सूर्यवंशी का दूसरा दुलीप ट्रॉफी मैच है। इससे पहले 2024 की शुरुआत में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू करने के बाद से वे 9 फर्स्ट-क्लास मैच खेल चुके थे।

सूर्यवंशी का पिछला प्रदर्शन

सेमीफाइनल में उनका खेलना टूर्नामेंट में उनके मिले-जुले पहले अनुभव के बाद हुआ। नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ ईस्ट जोन की शुरुआती दौर की जीत के दौरान, सूर्यवंशी अपनी पहली दुलीप ट्रॉफी पारी में सिर्फ आठ रन ही बना पाए थे। हालांकि, बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया और दो विकेट लिए, जिससे ईस्ट जोन ने पारी से जीत हासिल की। उनके कुल मिलाकर फर्स्ट-क्लास बैटिंग के आंकड़े बताते हैं कि वे अभी भी अपने विकास के शुरुआती दौर में हैं।सूर्यवंशी ने 9 मैचों में 16.53 की औसत से 215 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है। सूर्यवंशी ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। यह मौका उन्हें शानदार ढ्वक्रसीजन के बाद मिला जिसमें उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए 776 रन बनाए थे। इसके बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 200 से ज्यादा रन बनाने के कारण उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

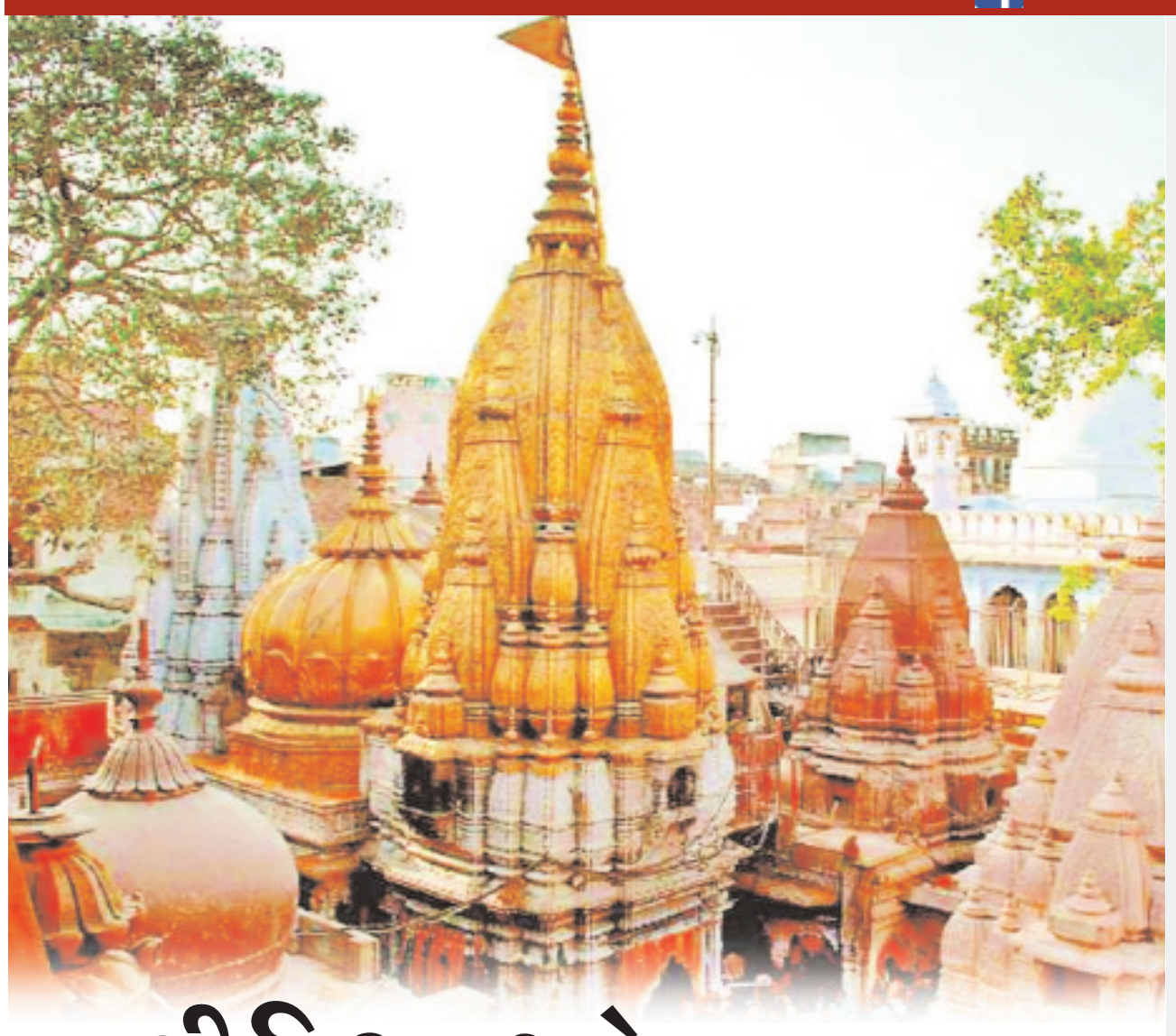

काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तभोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्कर्णी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यत्था की गई है। यह शहर सुप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है। ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलतः पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।

- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरूड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4.घंटा।
- गरूड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ़ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेघा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोंली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बढ़ी है तुंग विद्या।

कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपाने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबूत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के **चमत्कारिक फायदे :**

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।

- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरूष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता हैं।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मेमू ट्रेन पर पथराव मामला : वायरल वीडियो से 6 आरोपी पकड़े गए

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी से प्रयागराज जा रही एक मेमू ट्रेन पर पिछले महीने हुए पथराव के आरोप में रेलवे पुलिस ने छह लोगों को पकड़ा है। इनमें चार वयस्क और दो नाबालिग शामिल हैं। यह घटना भदोही जिले के अहिमनपुर रेलवे पड़ाव पर 28 अगस्त को यात्रियों से विवाद के बाद हुई थी। पुलिस ने रविवार को बताया कि अहिमनपुर पड़ाव पर कुछ लोगों ने यात्रियों से विवाद के बाद रेल लाइन की गिट्टियों से ट्रेन पर पथराव कर दिया था। घटना का वीडियो एक यात्री ने बनाया था, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए, प्रयागराज के आरपीएफप्रभारी निरीक्षक और ज्ञानपुर रोड जीआरपी की टीम ने आरोपियों की पहचान की। शनिवार देर शाम अहिमनपुर के आसपास से कृष्ण कुमार यादव, अभिषेक प्रजापति, आदर्श प्रजापति, आदित्य गुप्ता (सभी 18 से 20 वर्ष) और दो नाबालिगों को पकड़ा गया। ये सभी भदोही के औराई थाना क्षेत्र के निवासी हैं। चार वयस्कों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि नाबालिगों को हिरासत में लिया गया। पथराव में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन यात्रियों में दहशत फैल गई। आरोपियों पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पश्चिमी दिल्ली में लकड़ी के गोदाम में लगी भीषण आग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी दिल्ली के राजधानी मेट्रो स्टेशन के पास रविवार तड़के लकड़ी और प्लाईवुड के एक विशाल कारखाने में भीषण आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा ने आग बुझाने के लिए तत्काल 25 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, जिससे एक बड़ी राहत मिली है। अधिकारियों ने बताया कि असम टिंबर मार्केट में स्थित लकड़ी के इस गोदाम में आग लगने की सूचना तड़के करीब 3 बजे प्राप्त हुई। आग की भयावहता को देखते हुए, शुरुआती नौ दमकल गाड़ियों के बाद अतिरिक्त वाहनों को सेवा में लगाया गया और सुबह 3:24 बजे आग को भीषण घोषित किया गया। आग पर सुबह करीब साढ़े छह बजे तक पूरी तरह काबू पा लिया गया। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, यह आग 2,000 वर्ग गज में फैली एक बहुमंजिला इमारत के तहखाने में बने लकड़ी के गोदाम में लगी थी। इस इमारत में तहखाना, भूतल/स्टिल्ट और ऊपर की दो मंजिलें शामिल थीं। समय रहते अग्निशमन कर्मियों की त्वरित कार्रवाई और बड़ी संख्या में गाड़ियों की तैनाती से जानमाल के नुकसान को टाला जा सका।

पलवल मस्जिद में छात्रा से दुष्कर्म : रिश्तेदार गिरफ्तार

पलवल(एजेंसी)। हरियाणा के पलवल जिले के हसनपुर में मस्जिद के अंदर एक 11 वर्षीय नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला आया है। छात्रा अपने पिता का मोबाइल चार्जर लेने मस्जिद गई थी, जब उसके 30 वर्षीय रिश्तेदार ने छात्रा को अपनी हवस का शिकार बनाया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मंगलवार को हुई घटना में, पीड़िता के पिता जो मस्जिद के मौलवी हैं, उन्होंने ही आरोपी के ठहरने का इंतजाम मस्जिद परिसर में किया था। छठी कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा दोपहर में अपने पिता के कमरे से चार्जर लेने गई थी। अकेला पाकर आरोपी ने नाबालिग छात्रा को एक कमरे में बुलाया, दरवाजा बंद कर उसके साथ दुष्कर्म किया। कुछ देर बाद छात्रा के वापस न लौटने पर उसकी मां को शक हुआ। मस्जिद पहुंचने पर मां ने बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। पीड़िता के पिता और अन्य लोगों ने मिलकर कमरे का दरवाजा तोड़कर छात्रा को बचाया, लेकिन आरोपी घटनास्थल से भागने में सफल रहा। सूचना मिलने पर पुलिस ने पीड़िता को पलवल के सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां मेडिकल जाँच में दुष्कर्म की पुष्टि हुई। दो दिन के इलाज के बाद पीड़िता को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार किया गया।

बिहार के मंत्री पर महिला से अभद्र व्यवहार का आरोप

-संजय सिंह ने दी राजनीति छोड़ने की चुनौती

पटना (एजेंसी)। जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने बिहार सरकार के मंत्री संजय कुमार सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यादव ने दावा किया है कि महुआ से विधायक संजय सिंह ने दिल्ली के एक होटल में महिला कर्मचारी के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया। तेज प्रताप के अनुसार, इस घटना को होटल स्टाफ के हस्तक्षेप के बाद संभाला गया और फिर करीब 25 लाख रुपये के कथित लेन-देन के माध्यम से मामले को रफा-दफा किया। तेज प्रताप ने इन आरोपों की गहन और निष्पक्ष जांच की मांग कर कहा है कि जनता को सच्चाई जानने का अधिकार है और दोषी पाए जाने पर कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने मंत्री के राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन को लेकर भी सवाल उठाए हैं। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री संजय सिंह ने अपनी सफाई में कहा है कि अगर उनके खिलाफ कोई पुख्ता सबूत मिलता है, तब वह राजनीति छोड़ दूंगा।

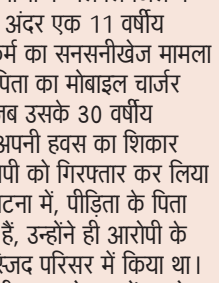

युवाओं तक पार्टी की पहुंच बनाने की विस्तृत योजना पर चर्चा

-भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने युवा आउटरीच और चुनावी रणनीति पर की अहम बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान युवाओं तक पार्टी की पहुंच बनाने की विस्तृत योजना पर चर्चा की गई। सूत्रों ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनावों, विशेषकर उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात सहित सात राज्यों में होने वाले चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों को लेकर बैठक में चर्चा की गई।

बैठक में भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त अध्यक्ष हेमांग जोशी सहित पूर्व अध्यक्ष अनुराग ठाकुर, पूनम महाजन और तेजस्वी सूर्या जैसे प्रमुख युवा चेहरे शामिल रहे। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव, युवा मामलों एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया और केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अतिरिक्त, पूर्व केंद्रीय मंत्री व भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी, गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा जैसे नेता भी बैठक में शामिल हुए। सूत्रों के अनुसार, भाजपा ने महत्वपूर्ण विमर्श के लिए देशभर से 40 से अधिक नेताओं को आमंत्रित किया था, हालांकि बैठक में हुई चर्चाओं पर पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया।

यह बैठक तब हुई है जब भाजपा 17 सितंबर से देशव्यापी 'सेवा संकल्प अभियान' शुरू करने की तैयारी में है, जो एक महीने तक जारी रहेगा। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने और सरकार के प्रमुख के रूप में उनके उल्लेखनीय योगदान को रेखांकित करने के उद्देश्य से चलाया जाएगा। इस अभियान को शुरू करने का निर्णय 22 अगस्त को पार्टी के 67 नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों की पहली बैठक में लिया गया था, जिसमें भाजपा की राज्य इकाइयों के अध्यक्षों, संगठन महामंत्रियों और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी हिस्सा लिया था। इस देशव्यापी अभियान के दौरान, भाजपा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक अपनी पहुंच बनाएगी।

सोनिया गांधी नागरिकता मामले की फैसला सुनाने की तारीख बढ़ाई

-दिल्ली की अदालत ने पुनरीक्षण याचिका पर फैसला सुनाने की तारीख 21 सितंबर की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी की नागरिकता से जुड़े विवाद में दिल्ली की अदालत ने शनिवार को अपना आदेश टाल दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने 11 सितंबर 2025 के मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली पुनरीक्षण याचिका पर आदेश सुनाने की तारीख बढ़ाकर 21 सितंबर कर दी है। मामले की सुनवाई के दौरान सोनिया गांधी की ओर से उनके वकील ने जवाब दाखिल किया। बचाव पक्ष ने शिकायत को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताते हुए कहा कि इसे किसी अन्य उद्देश्य से दायर किया गया है। वकील ने शिकायत के पीछे राजनीतिक मंशा होने का भी आरोप लगाया। यह शिकायत राउज एवेन्यू अदालत की सेंट्रल दिल्ली कोर्ट बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अधिवक्ता विकास त्रिपाठी की ओर से दायर की गई थी। मजिस्ट्रेट अदालत ने शिकायत को खारिज कर दिया था। अब निचली अदालत के इसी फैसले के खिलाफ दायर पुनरीक्षण याचिका पर विशेष अदालत का फैसला 21 सितंबर को आने की संभावना है।

मैं राहुल गांधी के हाथों पीना चाहता था जूस, सम्मानजनक तरीके से चाहता अनशन तोड़ना

-36 दिनों तक अनशन करने वाले वांगचुक ने बताया 20 जुलाई का क्या था प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी।

नीट पेपर लीक के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन और संसद मार्च को लेकर 36 दिनों तक अनशन करने वाले सोनम वांगचुक ने कहा कि वह चाहते थे राहुल गांधी उनका अनशन तुड़वाएं और अपने हाथों से पिलाएं जूस। वांगचुक ने कहा कि वह चाहते थे कि सम्मानजनक तरीके से वह अनशन खत्म करें। उन्होंने यह भी बताया कि 20 जुलाई को संसद मार्च को लेकर उनका क्या प्लान था। वांगचुक ने कहा कि हमने कहा था कि मैं और 12 दिन किसी तरह अनशन कर लूंगा लेकिन हम लोग 20 जुलाई को संसद जाएंगे और सांसदों को अपना ज्ञापन देंगे।

उन्होंने कहा कि इसके बाद हमने पूछा कि 20 जुलाई को कितने लोग आ सकते हैं। आशुतोष ने कहा 10 हजार, सौरभ ने कहा 15 हजार। उनकी उम्मीद कुछ इस तरह की थी, लेकिन मुझे लगता था कि एक लाख से ज्यादा लोग आए थे। उन्होंने कहा कि हमने कहा कि अगर सत्ता पक्ष की तरफ से कुछ नहीं होता है तो विपक्ष के सांसदों से मिलेंगे। पवन खेड़ा मंच पर भी आए थे। हमारी सोच थी कि विपक्ष के लोग हमें रिसीव करें। हमने कभी नहीं सोचा था कि कोई तोड़फोड़ होगी। हमने सोचा था कि हम संसद जाकर यह मसला सांसदों को सौंप देंगे और कहेंगे कि हमसे जो कुछ हो सका हमने किया। अब आप लोग इसकी जिम्मेदारी लें और संसद से रास्ता निकालें। तब बात कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी से अनशन तोड़वाएं। हम यही सोच रहे थे कि कैसे सम्मानजनक तरीके से आंदोलन खत्म किया जाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वांगचुक ने कहा कि हमारी सोच यही थी कि अगर सरकार के लोग नहीं आते हैं तो विपक्ष के नेता जूस पिलाकर अनशन तुड़वाएं और इसके बाद आगे की जिम्मेदारी लें। फिर 18 तारीख को मुझे जबरन उठा लिया गया। सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने भी एक इंटरव्यू में कहा था कि सोनम वांगचुक उनके आंदोलन का प्रमुख चेहरा थे। उनके अनशन और बिगड़ती सेहत की चिंता उन्हें भी हो रही थी लेकिन वह अनशन तोड़ने को तैयार नहीं थे। दीपके ने कहा बाद में उन्हें किडनैप करवा लिया गया। वहां उनसे सिर्फ सरकार के लोग ही मिल सकते थे। हमें मिलने की इजाजत नहीं दी गई।

भारत से राहत सामग्री लेकर काठमांडू पहुंची चौथी उड़ान

-आईएएफ के सी-130 विमान से 11 टन राहत सामग्री, खोज-बचाव उपकरण और फोरेंसिक टीम भेजी गई; अब तक 68.5 टन मदद पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी।

नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद राहत और बचाव अभियान को मजबूत करने के लिए भारत ने मदद का दायरा बढ़ा दिया है। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) का सी-130 विमान राहत सामग्री और तकनीकी उपकरणों से लैस होकर काठमांडू पहुंचा। यह भारत की ओर से नेपाल भेजी गई चौथी राहत उड़ान है। विमान में खोज, बचाव और राहत कार्यों के लिए जरूरी उपकरणों के साथ विशेषज्ञ टीमें भी भेजी गई हैं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि भारत की चौथी उड़ान काठमांडू पहुंच गई है। इसमें नेपाल में जारी बचाव और राहत अभियानों को मजबूत करने के लिए जरूरी सामान और तकनीकी क्षमताएं भेजी गई हैं। इससे पहले जयशंकर ने बताया था कि इस उड़ान में करीब 11 टन राहत सामग्री भेजी गई है।

फोरेंसिक विशेषज्ञ और डीएनए जांच उपकरण भी भेजे

सी-130 विमान में खोज एवं बचाव उपकरणों के अलावा फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम और डीएनए जांच के उपकरण भी भेजे गए हैं। राहत सामग्री में कंबल, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, प्लास्टिक शीट और हाइजीन किट शामिल हैं। इन सामानों का इस्तेमाल बाढ़ प्रभावित लोगों को तत्काल राहत पहुंचाने और बचाव अभियानों में किया जाएगा। जयशंकर ने कहा कि भारत नेपाल में बाढ़ से क्षतिग्रस्त जरूरी बुनियादी ढांचे को बहाल करने में भी सहायता कर रहा है। 230 फुट लंबे सिंगल लेन मॉड्यूलर स्टील ब्रिज के निर्माण के लिए जरूरी उपकरण लेकर 16 ट्रक नेपाल पहुंच चुके हैं। इसके अलावा सात और बेली ब्रिज लगाने के लिए उपकरण जल्द भेजे जाएंगे। पुलों के निर्माण के लिए जरूरी तकनीकी टीमें भी नेपाल पहुंचेंगी।

अब तक 68.5 टन राहत सामग्री पहुंची

भारत की ओर से अब तक कुल 68.5 टन राहत सामग्री हवाई मार्ग से काठमांडू पहुंचाई जा चुकी है। इसमें जरूरी दवाएं, पोर्टेबल जनरेटर सेट, खाद्य पैकेट, पानी साफ करने वाली गोलियां और अन्य तकनीकी उपकरण शामिल हैं। जयशंकर ने कहा कि नेपाल के राहत और बचाव कार्यों में भारत का सहयोग लगातार जारी रहेगा।

पहले भी भेजी गई थी बड़ी खेप

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारत ने बुधवार को नेपाल के लिए आपातकालीन राहत अभियान शुरू किया था। आईएएफ के सी-130जे हरक्यूलिस विमान ने पहली खेप में करीब 10 टन राहत सामग्री पहुंचाई थी। इसमें अस्थायी आश्रय, कंबल, हाइजीन किट, सोलर लैंप और दवाएं शामिल थीं। इसके बाद गुरुवार को आईएएफ के सी-17 ग्लोबमास्टर विमान से 37.5 टन अतिरिक्त राहत सामग्री नेपाल भेजी गई। इसमें 28.5 टन टेंट, कंबल, हाइजीन किट, सोलर लैंप, पानी निकालने वाले पंप, किचन सेट और जनरेटर सेट शामिल थे। इसके अलावा आठ टन दवाएं और एक टन खाद्य सामग्री भी भेजी गई।

नेपाल में बाढ़ में लापता भारतीयों को बचाने कांग्रेस सांसद ने की सरकार की तारीफ

-शशि थरुर ने एनडीआरएफ की टीम और हेलिकॉप्टर उपलब्ध कराने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर नेपाल में बाढ़ में लापता भारतीयों को बचाने के लिए सरकार की कोशिशों की तारीफ की और साथ ही सुझाव भी दिए। नेपाल में अचानक आई बाढ़ के बाद कई भारतीय अभी भी लापता हैं। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इनकी संख्या 287 है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थरूर ने अपने पत्र में केंद्र सरकार से बचाव कार्यों के लिए एनडीआरएफ की पूरी टीम और हेलिकॉप्टर उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने सरकार से अपील की कि फंसे हुए लोगों या मलबे के नीचे दबे जीवित लोगों को बचाने के लिए हर संभव कोशिश की जाए। थरूर ने पत्र में कहा कि जैसे-जैसे समय बीत रहा है। उम्मीद की गुंजाइश कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि मैं आपको उन भारतीय नागरिकों के बारे में लिख रहा हूं, जो 26 अगस्त को नेपाल में आए अचानक बाढ़ के बाद से लापता हैं। भारत की प्रतिक्रिया तेज और असरदार रही है। प्रधानमंत्री का काठमांडू से तुरंत संपर्क करना, राहत सामग्री भेजना, रेस्क्यू एक्सपर्ट्स की टीम भेजना और कंट्रोल रूम व दूतावास की हेल्पलाइन शुरू करना-इन सभी कदमों से फर्क पड़ा है। बता दें पिछले बुधवार को नेपाल-तिब्बत सीमा के पास ग्लेशियर के ढहने से बर्फ और चट्टानों का एवलांच आया, जिससे पानी, कीचड़ और मलबे का सैलाब नीचे की ओर बह निकला। इसने मध्य नेपाल में कस्बों और गांवों को तबाह कर दिया, जरूरी बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया और पनबिजली स्टेशनों को बहा ले गया। शनिवार तक बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 669 हो गई, जबकि 2,000 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के मंच शुद्धिकरण पर भड़कीं प्रियंका गांधी वाड्रा

पीएम मोदी से एफआईआर की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के मंच के शुद्धिकरण को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमलावार है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि यदि वे वास्तव में संविधान का सम्मान करते हैं, तब घटना में शामिल लोगों के खिलाफ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) कानून के तहत प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराए।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपनी पोस्ट में कहा कि हल्द्वानी में कांग्रेस नेता खरगे की रैली के बाद भाजपा-आरएसएस से जुड़े लोगों द्वारा मंच का शुद्धिकरण किया गया। उन्होंने इस कृत्य को निंदनीय और शर्मनाक मानसिकता का प्रतीक बताकर संविधान और एससी/एसटी कानून का गंभीर उल्लंघन और अपराध करार दिया। कांग्रेस महासचिव ने घटना को 20 दिन बीत जाने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की ओर से कोई कार्रवाई न होने पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री मोदी देश के संविधान का सम्मान करते हैं, तब उन्हें उत्तराखंड में इस अपराध में शामिल लोगों के खिलाफ तुरंत एफआईआर करवाकर एससी/एसटी कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस बारे में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान का हवाला दिया, जिन्होंने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी से त्वरित कार्रवाई की मांग की थी।

राहुल गांधी ने घटना को छुआछूत के समान बताकर भाजपा-आरएसएस की मानसिकता को इसका जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने दोषियों के खिलाफ एससी/एसटी कानून के तहत मामला दर्ज करने की मांग करके आरोप लगाया कि 20 दिन बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा की उत्तराखंड इकाई के अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने 'शुद्धिकरण' का बचाव किया, जबकि प्रधानमंत्री मोदी इस मामले पर चुप हैं। कांग्रेस ने अध्यक्ष खरगे के लिए न्याय की मांग कर केंद्र और राज्य सरकारों पर इस मामले में कार्रवाई करने का दायित्व बताया है। प्रियंका और राहुल गांधी दोनों ने प्रधानमंत्री मोदी के उस बयान पर सवाल उठाए हैं, जिसमें वे खुद को हर जाति से जुड़ा और पूरे देश का प्रधानमंत्री बताते हैं, जबकि उनकी पार्टी के नेता इसतरह के कृत्यों का बचाव कर रहे हैं।

अभिषेक बनर्जी की बढ़ीं मुश्किलें : बिलबोर्ड विवाद मामले में टीएमसी सांसद को पुलिस का नोटिस, अब तक 14 गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी।

इस हफ्ते की शुरुआत में पार्टी के निशान वाले बिलबोर्ड को हटाने के विवाद में कोलकाता पुलिस ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को नोटिस जारी किया है। इस विवाद के दौरान अभिषेक बनर्जी के कार्यालय में अधिकारियों और प्राइवेट गार्ड्स के बीच हाथापाई हुई थी। बनर्जी को उनके घर पर यह नोटिस दिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि डायमंड हार्बर के सांसद से कहा गया है कि वे इस मामले के सिलसिले में मंगलवार दोपहर शेक्सपियर सरणी पुलिस स्टेशन में पेश हों।

अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के सिलसिले में तीन एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिनमें से दो में बनर्जी को आरोपी बनाया गया है। एफआईआर में डेरेक ओब्रायन और पूर्व विधायक हुमायूं कबीर समेत पार्टी के अन्य नेताओं के नाम भी शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, डेरेक ओ ब्रायन को रविवार को नोटिस दिया गया। गुरुवार को अभिषेक बनर्जी के ऑफिस के प्राइवेट गार्ड्स, उनके समर्थकों और पार्टी के कुछ नेताओं की पुलिस और कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के साथ हाथापाई हुई थी। वे उन्हें कैमक स्ट्रीट पर स्थित इमारत में घुसने और एक अनधिकृत बिलबोर्ड को हटाने से रोकने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि वहां मौजूद टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने प्राइवेट गार्ड्स द्वारा विरोध की कोशिशों की खबरों को फर्जी बताया। उन्होंने कहा कि गार्ड्स इमारत के प्रवेश द्वार पर ड्यूटी पर तैनात थे। इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर सड़क की ओर बने लोहे के ढांचे पर लगे टीएमसी के निशान वाले बिलबोर्ड को केएमसी के कर्मचारियों ने हटा दिया, जब पुलिस ज़बरदस्ती अंदर घुस गई। डेरेक ओ ब्रायन ने आरोप लगाया था कि पुलिस एक गैर-कानूनी नोटिस लेकर ऑफिस में घुस गई, वरिष्ठ नेताओं के साथ मारपीट की और पार्टी समर्थकों व ऑफिस के कर्मचारियों के साथ बदसलूकी की।

भारत से अच्छे रिश्ते बांग्लादेश के अपने हित में, शेख हसीना का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक इंटरव्यू में भारत के साथ संबंधों पर बेबाकी से अपनी राय रखी। उन्होंने साफ किया कि भारत के साथ अच्छे रिश्ते रखना बांग्लादेश के अपने राष्ट्रीय हित में है, न कि दिल्ली पर कोई अहसान कर रहा है। यह बयान तब आया है जब तारिक रहमान के भारत आगमन पर संशय बना हुआ है और दोनों देशों के रिश्तों में कथित खटास देखी जा रही है, यहां तक कि बांग्लादेश सरकार ने हसीना की भारत में उपस्थिति को संबंधों में बड़ी अड़चन बताया है। आंतरिक राजनीति पर टिप्पणी कर हसीना ने मोहम्मद यूनुस और तारिक रहमान के शासन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके दौर में केवल सत्ता के चेहरे बदले हैं, दिशा नहीं, यूनुस ने बदले की भावना और संस्थाओं को खत्म करने की राजनीति शुरू की, इस रणनीति को पीएम तारिक रहमान ने जारी रखा। हसीना ने चिंता व्यक्त की कि अवामी लीग के कार्यकाल में 6.80 प्रतिशत रही जीडीपी वृद्धि अब 2.22त्न पर आ चुकी है, और देश को आर्थिक बर्बादी व अराजकता की ओर धकेला जा रहा है, जिससे औद्योगिक उत्पादन में भी भारी गिरावट आई है।

सक्रिय राजनीति में अपनी भूमिका को निजी महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी बताकर हसीना ने कहा कि वे अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं के संपर्क में हैं। उन्होंने लोगों से उम्मीद न छोड़ने का आग्रह किया, याद दिलाया कि बांग्लादेश का जन्म बलिदान और धर्मनिरपेक्ष आदर्शों से हुआ है। उन्होंने आह्वान किया कि देशवासियों ने पहले भी पाकिस्तानी सेना और सैन्य शासन जैसी चुनौतियों को हराया है, और वे इस काले अध्याय को भी पराजित कर देने वाले है। हसीना लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, विकास और सम्मान की बहाली के लिए बांग्लादेश के लोगों के साथ खड़ी हैं।

भारत-बांग्लादेश संबंधों के महत्व को रेखांकित कर हसीना ने कहा कि ये रिश्ते इतिहास, भूगोल, स्वतंत्रता संग्राम, सुरक्षा, व्यापार और 1971 के बलिदान से गहरे जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि ढाका में किसी भी सरकार को यह समझना चाहिए कि भारत के साथ अच्छे संबंध ढाका के अपने राष्ट्रीय हित में हैं। उनके अनुसार, एक लोकतांत्रिक और स्थिर बांग्लादेश ही भारत के लिए सबसे अच्छा पड़ोसी साबित हो सकता है,

और इसी से क्षेत्रीय सहयोग व राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा संभव है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

9/11 की बरसी पर बदला ट्रंप का प्लान: पेंटागन के कार्यक्रम में होंगे शामिल, कहा- अपनों को याद करने का है दिन

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पेंटागन में 11 सितंबर के हमलों की 25वीं बरसी पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। ट्रंप ने शुक्रवार को अपने इस कार्यक्रम की पुष्टि की। व्हाइट हाउस ने बताया कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस न्यूयॉर्क में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहीं, प्रशासन के अन्य अधिकारी पेंसिल्वेनिया के शैंक्सविले में आयोजित समारोह में जाएंगे। इस साल अल-कायदा के आतंकवादियों की ओर से हाईजैक किए विमानों से किए गए हमलों को 25 साल पूरे हो रहे हैं। इन हमलों में तीन जगहों पर लगभग 3,000 लोगों की जान गई थी। इसने अमेरिकी विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को पूरी तरह बदल दिया था। शुक्रवार को ह्यूस्टन की यात्रा से लौटने के बाद, एयर फोर्स वन के पास पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि वे न्यूयॉर्क में होने वाले समारोह में क्यों शामिल नहीं होंगे? जैसा कि कुछ प्रकाशित रिपोर्टों में कहा गया था। उन्होंने जवाब दिया,क्योंकि मैं पेंटागन जा रहा हूं। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने 9/11 को पीड़ितों और उनके प्यारे परिवार के सदस्यों को याद करने का दिन बताया। पिछले साल, ट्रंप ने पेंटागन में सालाना समारोह में इस दिन को याद किया। वहां उन्होंने उस दिन की घटनाओं का जिक्र किया, जिसमें हाईजैक किए गए विमानों में सवार यात्रियों की बातचीत के कुछ अंश भी शामिल थे।

डाक से मतदान वाले आदेश पर लगी रोक, प्रशासन ने फैसले के खिलाफ दायर की अपील; जज ने क्या कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने उस फैसले के खिलाफ अपील की है, जिसमें एक जज ने राष्ट्रपति के आदेश पर रोक लगा दी थी। इस आदेश में डाक के जरिये मतदान को लेकर कुछ नई शर्तें रखी गई थीं। यह मामला ऐसे समय अदालत पहुंचा है, जब मध्यावधि चुनाव के लिए कुछ राज्यों में 4 सितंबर से मतपत्र भेजे जाने हैं। शुक्रवार को इस फैसले के खिलाफ ट्रंप प्रशासन ने अपील दायर की। इससे पहले बोस्टन की संघीय अदालत के जज ने ट्रंप के कार्यकारी आदेश पर अगले दो हफ्तों के लिए रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने पहले प्रक्रिया से जुड़े आधार पर इस योजना को आगे बढ़ने की अनुमति दी थी। लेकिन अदालत ने अभी यह फैसला नहीं किया है कि यह योजना कानूनी है या नहीं। ट्रंप के आदेश के मुताबिक, अमेरिकी डाक सेवा कुछ राज्यों के मतपत्र पहुंचाने से इनकार कर सकती थी। इसके लिए राज्यों को उन मतदाताओं की सूची देनी होगी, जो वोट देने के योग्य हैं। साथ ही मतपत्र भेजने के लिए एक तय तरह के लिफाफे का इस्तेमाल करना होगा। अमेरिकी जिला अदालत की जज इंदिरा तलवानी ने कहा कि राज्यों के पास नए मतपत्र तैयार करने और छापने के लिए पर्याप्त समय या पैसा नहीं है। उन्हें अपनी व्यवस्था में बदलाव करना होगा। साथ ही अधिकारियों को मतदाताओं की जानकारी डाक सेवा पर डालने के लिए प्रशिक्षण भी देना होगा।

ट्रंप को झटका: हश मनी केस की सजा खत्म कराने की कोशिश नाकाम, याचिका खारिज कर जज ने क्या कहा?

अल्बानी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक बार फिर झटका लगा है। वह अपनी हश मनी यानी चुप रहने के लिए पैसे देने से जुड़े मामले में मिली सजा खत्म कराना चाहते थे। लेकिन उनकी कोशिश नाकाम हो गई। शुक्रवार को एक संघीय जज ने ट्रंप की याचिका खारिज कर दी। ट्रंप चाहते थे कि न्यूयॉर्क की राज्य अदालत में चले इस मामले को संघीय अदालत में भेज दिया जाए। इसके बाद मामले को राष्ट्रपति की कानूनी छूट के आधार पर खत्म कर दिया जाए। जज एल्विन के. हेलरस्टीन ने ट्रंप की याचिका खारिज करने का अपना पहले का फैसला बरकरार रखा। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने मामला संघीय अदालत में भेजने के लिए जो नए कारण बताए हैं, वे न तो नए हैं और न ही कानून के हिसाब से पर्याप्त हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप यह भी नहीं बता पाए कि उन्होंने मामला संघीय अदालत में भेजने में इतनी देर क्यों की। वह यह भी साबित नहीं कर पाए कि उन्होंने इस मामले में समय पर और पूरी गंभीरता से कार्रवाई की। यह तीसरी बार है, जब हेलरस्टीन ने ट्रंप की कोशिश रोकी है। ट्रंप चाहते थे कि मैनहट्टन की अमेरिकी जिला अदालत इस मामले को न्यूयॉर्क की अदालत से अपने हाथ में ले ले। इसी न्यूयॉर्क अदालत में ट्रंप पर मुकदमा चला था। वहीं उन्हें दोषी भी ठहराया गया था। ट्रंप को मई 2024 में दोषी ठहराया गया था। उस समय वह राष्ट्रपति पद पर नहीं थे। वह अपने पहले और दूसरे कार्यकाल के बीच थे।

नेपाल बाढ़ लाइव: त्रिशुली में रुका बचाव अभियान, अब तक 616 लोगों की मौत; 1900 से ज्यादा लापता

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में अचानक आई बाढ़ के कारण 579 से अधिक लोगों की मौत हुई है। 1900 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। इनमें करीब 30 देशों के नागरिक शामिल हैं। भारत के कई पर्यटकों ने सुरक्षित स्वदेश वापसी के बाद राहत की सांस ली। हालांकि, उन्होंने जलप्रलय और बाढ़ की विभीषिका पर रोंगटे खड़े करने वाले विवरण साझा किए हैं। नेपाल बाढ़ त्रासदी में मरने वालों का आंकड़ा 616 पहुंच गया है। वहीं, लापता लोगों का आंकड़ा भी 2000 से ज्यादा हो गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी सरकारी मीडिया ने बताया है कि तिब्बत में भूस्खलन के मलबे के बीच बनी झील में जलस्तर एक बार फिर बढ़ रहा है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इसकी वजह से एक बार फिर से भूस्खलन या मिट्टी के खिसकने का खतरा लगातार बना हुआ है। वहीं, नेपाल में राहत एवं बचाव कार्य में जुटे खोज दल जीवित बचे लोगों को खोजने के लिए मौसम के अनुकूल सीमित समय का पूरा फायदा उठा रहे हैं। सड़क को दोबारा खोलने के प्रयास भी जारी हैं।

बाढ़ राहत कार्यों में सहायता के लिए नेपाल पहुंचा 11 सदस्यीय भारतीय बचाव दल : अचानक आई बाढ़ में 500 से अधिक लोगों की मौत हो गई और लगभग 2,000 अन्य लापता हो गए। इस बचाव अभियान में स्थानीय अधिकारियों की सहायता के लिए 11 सदस्यीय भारतीय दल शनिवार को नेपाल पहुंचा। भारतीय दूतावास के सूत्रों के अनुसार, चिकित्सा कर्मियों और सुरंग बचाव विशेषज्ञों सहित इस टीम को नेपाल सरकार के अनुरोध पर भेजा गया था। टीम को हिमालयी देश में अचानक आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में भेजा जा रहा है, जहां बड़े पैमाने पर बचाव और राहत अभियान चलाए जा रहे हैं। बुधवार को रसुवा और मध्य नेपाल के अन्य हिस्सों में भीषण बाढ़ आई, जिसमें 500 से अधिक लोगों की मौत हो गई और बस्तियों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत अवसंरचना को व्यापक क्षति पहुंची। शुक्रवार को नेपाल ने कहा कि वह अपने सुरक्षा बलों की अधिकतम तैनाती को ÷प्राथमिकता÷ देना चाहता है, जो स्थानीय पर्यावरणीय परिस्थितियों और दुर्गम भूभाग से भलीभांति परिचित हैं। हालांकि, विदेश मंत्री शिसिर खनाल ने कहा कि सरकार उन कठिन मामलों में अंतरराष्ट्रीय सहायता लेने के लिए तैयार है, जहां अत्यंत जटिल भौतिक संरचनाओं के लिए विशेष तकनीकी कौशल की आवश्यकता होती है।

मौसम बिगड़ने से रुका राहत और बचाव कार्य : त्रिशुली नदी में भारी बारिश के कारण मौसम की स्थिति बिगड़ने से बचाव अभियान अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। जानकारी के अनुसार खराब मौसम के चलते हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर पा रहे हैं। नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण, आसपास के क्षेत्रों के लोगों को एहतियात के तौर पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

राहत कार्यों में विदेशी मदद लेने को तैयार हुआ नेपाल : नेपाल ने अपना फैसला बदलते हुए बाढ़ राहत कार्यों के लिए विदेशी मदद लेने पर सहमति जताई है। जिन देशों के नागरिक लापता हैं, उन देशों के दबाव के कारण सरकार को अपने फैसले से पीछे हटना पड़ा। अधिकारियों का कहना है कि वे टनल में बचाव कार्य और शवों की पहचान में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की मदद लेंगे। भोटेकोशी बाढ़ की कवरेज करने वाले विदेशी पत्रकारों के लिए नेपाल ने नए नियम लागू किए हैं। पत्रकारों को पासपोर्ट और वीजा, अपने संगठन द्वारा जारी पहचान पत्र, वेतन और भत्तों का विवरण आदि जमा करना होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) नेपाल में आई बाढ़ को लेकर अपनी मदद का दायरा बढ़ा रहा है, जिसके तहत तत्काल 150,000 अमेरिकी डॉलर की धनराशि जारी की गई है। आवश्यकता आकलन जारी रहने के साथ-साथ अतिरिक्त संसाधन जारी किए जाने की उम्मीद है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक ने टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि आपदा शुरू होने के कुछ ही घंटों के भीतर, डब्ल्यूएचओ ने आपातकालीन आपूर्ति भेजी, जिसमें अंतर-एजेंसी आपातकालीन स्वास्थ्य आपूर्ति भी शामिल थी, जो लगभग 10,000 लोगों को 3 महीने तक आवश्यक सामग्री प्रदान कर सकती है। इसके अलावा, इसमें टेंट, 10,000 मास्क, दस्ताने और हैंड सैनिटाइजर भी शामिल थे। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बीच लापता हुए पश्चिम बंगाल के 39 पर्यटकों में से दो पर्यटकों से संपर्क स्थापित हो गया है, जबकि 37 लोग अब भी लापता हैं।

नॉर्वे के महाराजा हेराल्ड पंचम का निधन, 89 की उम्र में ली आखिरी सांस, पीएम मोदी ने दुख जताया

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। नॉर्वे के पांचवें महाराजा हेराल्ड का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किंग हेराल्ड के निधन पर शोक जताया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। शाही महल की ओर से गुरुवार को जानकारी दी गई थी कि किंग की हालत काफी गंभीर है और उनका इलाज ओस्लो के नेशनल हॉस्पिटल में चल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷नॉर्वे के किंग हेराल्ड पंचम के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ। इस साल की शुरुआत में अपनी नॉर्वे यात्रा के दौरान महामहिम से हुई मुलाकात को मैं स्नेहपूर्वक याद करता हूं और राष्ट्र के प्रति उनकी गर्मजोशी और सेवा की गहरी भावना से मैं अत्यंत प्रभावित हुआ था। शाही परिवार और नॉर्वे के लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

यूरो न्यूज की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, किंग हेराल्ड की बिगड़ती सेहत को लेकर चिंता बढ़ने पर सैकड़ों लोग ओस्लो रॉयल पैलेस के बाहर फूल और मोमबत्तियां लेकर इकट्ठा हुए। यूरोप के सबसे उम्रदराज शासक किंग हेराल्ड 17 अगस्त से हीमोलिटिक एनीमिया के कारण अस्पताल में भर्ती थे। बाद में बैक्टीरियल ब्लडस्ट्रीम इंफेक्शन से उनकी स्थिति और गंभीर हो गई। हालत बिगड़ने पर क्रीन सोन्या और क्राउन प्रिंस हाकोन, जो रीजेंट के तौर पर काम कर रहे हैं, ने अपने

आधिकारिक कार्यक्रम रद्द कर दिए और शाही परिवार के अन्य सदस्यों के साथ नॉर्वे किंग के पास पहुंचे। इस खबर के बाद ओस्लो में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। सैकड़ों लोग रॉयल पैलेस के बाहर इकट्ठा हुए, जहां उन्होंने फूल रखे, मोमबत्तियां जलाईं और राजा के लिए हाथ से लिखे संदेश और चित्र छोड़े। नॉर्वे के अन्य शहरों में भी इसी तरह लोगों के जुटने की खबरें आईं, जहां लोग राजा के स्वास्थ्य पर आगे की जानकारी का इंतजार कर रहे थे। यूरो न्यूज ने बताया कि तबीयत बिगड़ने के बाद सरकार के वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने कार्यक्रमों में बदलाव किया। प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोरे ने जर्मनी की अपनी नियोजित यात्रा रद्द कर दी और कहा कि वह पूरे देश के साथ राजा और शाही परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। संसद अध्यक्ष मसूद घराहखानी ने भी अपनी विदेश यात्रा बीच में ही रोककर नॉर्वे लौटने का फैसला किया। हेराल्ड 1991 से नॉर्वे के राजा थे और हाल के वर्षों में उन्हें कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा है।

ट्रंप के चेहरे जैसी दवा पर नीदरलैंड में अलर्ट; संघर्षविराम के बावजूद गाजा में आईडीएफ के हमले, पांच की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। नीदरलैंड के ट्रिंबोस इंस्टीट्यूट ने ट्रंप के सिर के आकार जैसी दिखने वाली एक्स्टसी गोलियों को लेकर चेतावनी जारी की है। संस्थान ने लोगों से इन गोलियों का इस्तेमाल नहीं करने को कहा है। हाल में ड्रग टेस्टिंग केंद्रों पर ऐसी कई गोलियां पहुंची हैं। इन गोलियों में नाम का खतरनाक रसायन मिला है। इसकी मात्रा काफी अधिक बताई गई है। तुलना में देर से होता है। इससे व्यक्ति को लग सकता है कि गोली ने काम नहीं किया। वह दूसरी गोली ले सकता है। इससे ओवरडोज का खतरा बढ़ जाता है। संस्थान के मुताबिक, ज्यादा मात्रा जानलेवा साबित हो सकती है। हालांकि, अभी ऐसी गोलियों से गंभीर बीमारी या मौत का कोई मामला सामने नहीं आया है। नीदरलैंड में एक्स्टसी का उत्पादन और इस्तेमाल गैरकानूनी है। इससे पहले 2017 में जर्मनी में भी ट्रंप के चेहरे वाली हजारों गोलियां जब्त हुई थीं। संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हमले, पांच की मौत अमेरिका की मध्यस्थता में हुए संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हवाई हमले जारी हैं। शुक्रवार को इन हमलों में पांच लोगों की मौत हुई। स्थानीय अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक, खान यूनिस के पास एक घर पर हुए हमले में दो भाइयों समेत तीन लोगों की जान गई। गाजा सिटी में अलग-अलग हमलों में दो अन्य लोगों की मौत हुई। ईरान ने अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों को 'आर्थिक आतंकवाद' बताया है। दूसरी ओर, फिनलैंड ने को सहायता देने का समझौता आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। ब्रिटेन ने गाजा संघर्षविराम निगरानी केंद्र से अपने अधिकारियों को हटाने के किसी भी इस्राइली कदम का विरोध किया है। अमेरिका के एक न्यायाधीश ने रक्षा मुख्यालय पेंटागन की तरफ से एंथ्रोपिक को काली सूची में डालने के फैसले पर रोक लगा दी। कैलिफोर्निया की संघीय अदालत में एंथ्रोपिक के मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अपनी अधिकार-सीमा से बाहर जाकर क्लाउड बनाने वाली कंपनी एंथ्रोपिक को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आपूर्ति श्रृंखला जोखिम करार दिया।

नेपाल बाढ़: विदेश से मदद लेने पर बालेन सरकार का यू-टर्न, लापता लोगों की तलाश में भारत समेत ये देश देंगे साथ

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने भोटेकोशी में आई बाढ़ से प्रभावित इलाकों में अंतरराष्ट्रीय खोज और बचाव टीमों को न आने देने के अपने फैसले को बदल दिया है। यह फैसला उन देशों के राजनयिक दबाव के बाद लिया गया है, जिनके नागरिक इस आपदा के बाद से लापता हैं।

नेपाल सरकार ने पहले क्या फैसला लिया था : सरकार ने बुधवार को कहा था कि नेपाली बचावकर्मी खोज अभियान संभालने में सक्षम हैं। विदेशी बचाव टीमों को अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, एक दिन के भीतर ही अधिकारियों ने सुरंग से बचाव कार्य, डीएनए टेस्टिंग और फोरेंसिक जांच जैसे विशेष क्षेत्रों में सीमित अंतरराष्ट्रीय मदद लेने का फैसला किया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने क्या बताया : सरकार के एक वरिष्ठ

अधिकारी ने द काठमांडू पोस्ट को बताया, अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ओर से हम पर भारी दबाव था कि कम से कम खोज और बचाव दलों और कुछ विशेषज्ञों को आने की अनुमति दी जाए, क्योंकि बाढ़ में उनके नागरिक भी लापता हो गए हैं। हम कुछ खास इलाकों में सीमित संख्या में विशेषज्ञों को आने की अनुमति दे रहे हैं।

विदेश मंत्री ने क्या कहा : विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने रॉयटर्स को बताया, चीन के साथ हिमालयी सीमा पर आई विनाशकारी बाढ़ के बाद नेपाल को उन खास और तकनीकी क्षेत्रों में विदेशी मदद की जरूरत है जिनमें उसके पास विशेषज्ञता की कमी है लेकिन खोज और बचाव कार्यों के लिए उसे विदेशी मदद की जरूरत नहीं है।

किन देशों को मिली है मंजूरी : नेपाल के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के आकलन के आधार पर, एक अंतर-मंत्रालयी समन्वय समिति ने भारत, चीन, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया से मदद को मंजूरी दी है। इन चार देशों के विशेषज्ञ और तकनीशियन सुरंग से बचाव अभियान, डीएनए टेस्टिंग और फोरेंसिक जांच में मदद करेंगे। राहत सहायता की पेशकश करने वाले कई अन्य देशों ने भी विशेषज्ञ टीमें भेजने की इच्छा जताई है। हालांकि, नेपाल ने ऐसी मांगों को स्वीकार नहीं किया है। काठमांडू में कम से कम दो विदेशी दूतावासों के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने अपने लापता नागरिकों का पता लगाने में मदद के लिए टीमें भेजने का बार-बार अनुरोध किया था, लेकिन उन्हें कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला। इसके साथ ही नेपाल सरकार ने बाढ़ की कवरेज करने वाले घरेलू और विदेशी मीडिया संस्थानों के लिए नए नियम लागू किए हैं। सूचना और संचार मंत्रालय के तहत सूचना प्रशासन और प्रेस शाखा के अनुसार, विदेशी पत्रकारों को अपने पासपोर्ट और वैध वीजा की कॉपी के साथ-साथ अपने मीडिया संस्थान से मिला अपॉइंटमेंट लेटर या एग्रीमेंट जमा करना होगा।

टीम बिना कोई चैंपियन नहीं: जरूरत पर मदद लेना कमजोरी नहीं, मजबूत सहयोगी होने के संकेत; सफल इंसान की पहचान क्या

अल्बानी, एजेंसी। मियामी तट के पास अटलांटिक महासागर की तेज लहरों में 86 वर्षीय मां पानी निगलकर बेहोश हो चुकी थी। फेफड़ों में भरता पानी और थमती सांसें। बेटी ने अपनी पूरी ताकत से हाथ-पैर मारकर मां को खींचने की कोशिश की, लेकिन समंदर की ताकत के आगे उसकी हर कोशिश नाकाम हो रही थी।

जब लगा कि दोनों डूब जाएंगे, तभी बेटी ने अपनी रणनीति बदली। एक हाथ से मां का सिर पानी के ऊपर रखा और दूसरा हाथ हवा में लहराते हुए पूरी ताकत से चीख पड़ी...मदद करो। रेस्क्यू बोट के प्रशिक्षित तैराकों ने तुरंत छलांग लगाई, दोनों को पानी से निकाला और समय पर अस्पताल पहुंचाया। यह दास्तान किसी आम इंसान की नहीं, बल्कि जुनून और दृढ़

संकल्प पर दुनिया की सबसे चर्चित बेस्टसेलर किताब लिखने वाली प्रसिद्ध साइकोलॉजिस्ट डॉ एंजेला डकवर्थ की है। डकवर्थ लिखती हैं, उस दिन मेरी और मां की जान समंदर की लहरों से अकेले लड़ने से नहीं बची, बल्कि सही समय पर मदद की गुहार लगाने से बची।

अकेले जीतने का भ्रम : समाज में थॉमस एडिसन के हजारों प्रयोगों या स्टीव जॉब्स के अकेले दम पर क्रांति लाने की कहानियां गढ़कर लोगों को यह सिखाया जाता है कि हर मुश्किल से अकेले जूझना ही मर्दानगी या असली कामयाबी है।

रिसर्च का निष्कर्ष : दुनिया के शीर्ष सफल लोगों का गहन अध्ययन करने के बाद डकवर्थ कहती हैं, शीर्ष स्तर के सफल लोगों ने अपनी सफलता का श्रेय उन लोगों को दिया जिन्होंने मुश्किल वक्त में उनका हाथ थामा। मदद मांगना कमजोरी नहीं = रिसर्च से साबित हुआ है कि जो लोग सलाह और सहयोग मांगने में संकोच नहीं करते, वे अकेले जूझने वालों के मुकाबले कई गुना ज्यादा तेजी से सीखते हैं।

सबसे बड़े वेल्थ फंड के सीईओ निकोलाई टैंगेन : निकोलाई अपनी लीडरशिप किताब में अपनी निजी खूबियों से ज्यादा अपनी असिस्टेंट ग्रेटे स्टारहाइम की भूमिका को विस्तार से दर्ज करते हैं। निकोलाई कहते हैं, मैं उस पर आंख मूंदकर भरोसा करता हूं। जब वह कहती है कि मैं गलत हूं, तो मैं अपनी गलती मान लेता हूं। क्या यह स्वीकार करने में कोई शर्म है कि हमें दूसरों की मदद की जरूरत है? कोनन ओ%ब्रायन की हार्वर्ड स्पीच = प्रसिद्ध टीवी होस्ट कोनन ओ%ब्रायन ने हार्वर्ड के दीक्षांत समारोह में कहा था, अगर मैं आज उन सभी लोगों को यहां बुला लूं जिन्होंने मुझे इस मुकाम तक पहुंचाने में मदद की है, तो पूरा शहर खचाखच भर जाएगा।

मोहन भागवत ने किया इस्कॉन मंदिर का दौरा, लोगों में उत्साह; विरोध करने वाला यूएससीआईआरएफ क्या बोला

अल्बानी, एजेंसी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के अमेरिका दौरे के बीच न्यूयॉर्क में उनका 26 सेकंड एवेन्यू जाना चर्चा में रहा। यह वही स्थान है जहां स्वामी प्रभुपाद ने इस्कॉन का पहला मंदिर स्थापित किया था। भागवत ने जरूरतमंद और बेघर लोगों के लिए आयोजित भोजन वितरण कार्यक्रम में भी भाग लिया।

अमेरिका के न्यूयॉर्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। इस बीच मोहन भागवत ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क में 26 सेकंड एवेन्यू का दौरा किया। इसी स्थान पर स्वामी प्रभुपाद ने पहला इस्कॉन मंदिर स्थापित किया था। इस दौरान भागवत ने शहर में बेघर लोगों की मदद के लिए आयोजित भोजन वितरण अभियान में भी हिस्सा लिया। न्यूयॉर्क के 26 सेकंड एवेन्यू पर इस्कॉन की स्थापना के 60 वर्ष पूरे होने के मौके पर समारोह हो रहा है। वहीं, मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा को लेकर अमेरिका की विश्व हिंदू परिषद की अध्यक्ष तेजल शाह ने कहा, यह ऐसा आयोजन है, जो बहुलता, विविधता में एकता और पूरे समुदाय के एक साथ आने का संदेश देता है। हम केवल रक्षाबंधन का त्योहार ही नहीं मना रहे हैं, बल्कि यह भी जता रहे हैं कि समुदाय का हर सदस्य एक-दूसरे के साथ किस तरह संबंध रख सकता है।

न्यूयॉर्क में रक्षाबंधन के कार्यक्रम में शामिल होंगे आरएसएस प्रमुख : तेजल शाह ने आगे कहा, इसके नतीजतन हम आने वाले समय में दुनिया को बेहतर जगह बना सकते हैं। संदेश बिल्कुल स्पष्ट है कि आगे आएं, मतभेदों को एक तरफ रखें, मानवता के लिए मिलकर काम करें और बेहतर भविष्य के लिए मिलकर काम करें। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय के लोगों के साथ मुलाकात करेंगे और रक्षाबंधन के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

यूएससीआईआरएफ क्यों चाहता है भागवत के साथ बातचीत : लॉस एंजिलिस में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के साथ खुले संवाद की संभावना पर अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के आयुक्त डॉ. आसिफ महमूद ने कहा, अगर ऐसा कोई अवसर मिलता है तो मैं निश्चित रूप से उनके साथ बैठकर बातचीत करने के लिए तैयार हूं। अगर इसकी व्यवस्था की जा सकती है तो हमें उनके साथ बैठकर बातचीत करने और अधिक जागरूकता पैदा करने में खुशी होगी। उन्होंने कहा, हो सकता है कि कुछ आश्वासन और गारंटी हों, जो वे दे सकते हैं और इससे हमारी सोच बदल सकती है।

भारतीय पेशेवरों पर संकट: अमेरिका में नौकरी गई तो 60 दिन की राहत हो सकती है खत्म, प्रस्ताव की समीक्षा पूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी और अन्य विदेशी पेशेवरों की नौकरी खत्म होने के बाद मिलने वाली 60 दिन की विवेकाधीन राहत अवधि को समाप्त करने के प्रस्ताव की समीक्षा पूरी कर ली है। इससे हजारों भारतीय कर्मचारियों और उनके परिवारों पर असर पड़ सकता है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने %विवेकाधीन 60 दिन की राहत अवधि समाप्त करना शीर्षक वाला प्रस्ताव छह अगस्त को व्हाइट हाउस के सूचना और नियामक मामलों के कार्यालय को भेजा था।

आधिकारिक नियामक रिकॉर्ड के अनुसार, प्रस्ताव की समीक्षा 27 अगस्त को पूरी हुई। इसमें कार्रवाई की स्थिति बदलाव के साथ अनुरूप दर्ज की गई है। इसका मतलब है कि प्रस्ताव कुछ बदलावों के साथ व्हाइट हाउस की समीक्षा प्रक्रिया से आगे बढ़ गया है। हालांकि, प्रस्ताव अभी प्रकाशित नहीं हुआ है और इसके पूरे प्रावधान उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए मौजूदा 60 दिन की राहत अवधि फिलहाल लागू है।

समीक्षा पूरी होने के बाद अब आगे क्या होगा : अगले चरण में प्रस्तावित नियम को आम तौर पर संघीय रजिस्टर में प्रकाशित किया जाएगा। इसके बाद लोगों और संगठनों से इस पर सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी जाएंगी। गृह सुरक्षा विभाग को इन टिप्पणियों पर विचार करने के बाद अंतिम नियम जारी करना होगा। इसके बाद ही कोई बदलाव प्रभावी हो सकेगा।

इस प्रस्ताव का नियामक सूचना नंबर 1615-एडी22 है और इसे अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा द्वारा तैयार किया जा रहा है। नियामक रिकॉर्ड में इसे ऐसा प्रस्तावित नियम बताया गया है, जिसका आर्थिक प्रभाव महत्वपूर्ण नहीं है और इसे लागू करने की कोई कानूनी समयसीमा नहीं है। मौजूदा नियम के तहत पात्र कर्मचारियों को नौकरी खत्म होने के बाद लगातार 60 दिनों तक या उनके अधिकृत प्रवास की अवधि खत्म होने तक, इनमें से जो अवधि कम हो, उतनी राहत मिल सकती है। एच-1बी लाभार्थियों में सबसे ज्यादा भारतीय इस

अवधि में प्रभावित कर्मचारी ऐसे नए नियोक्ता की तलाश कर सकते हैं, जो उन्हें प्रायोजित करने के लिए तैयार हो। वे अपनी आव्रजन स्थिति में बदलाव के लिए आवेदन कर सकते हैं या अमेरिका छोड़ने की तैयारी कर सकते हैं। यह प्रावधान एच-1बी, एल-1, ओ-1 और कई अन्य अस्थायी रोजगार वीजा धारकों पर लागू होता है।

एच-1बी लाभार्थियों में भारतीय नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है। ऐसे में अगर प्रशासन इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाता है तो भारतीय पेशेवरों के सामने विशेष रूप से अनिश्चितता पैदा हो सकती है। एशियाई अमेरिकी, मूल हवाईवासी और प्रशांत द्वीपवासी मामलों पर राष्ट्रपति की सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य अजय जैन भूटोरिया ने प्रस्तावित बदलाव की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मौजूदा राहत अवधि को खत्म करने के बजाय बढ़ाया जाना चाहिए।

भारतीय समुदाय ने की प्रस्तावित बदलावों की आलोचना : भूटोरिया ने कहा, मैं गृह सुरक्षा विभाग की इस प्रस्तावित नीति की कड़ी निंदा करता हूं और इसका विरोध करता हूं। 60 दिन की राहत अवधि खत्म करना अमानवीय और व्यावहारिक रूप से असंभव है। जब किसी उच्च कौशल वाले कर्मचारी को अचानक नौकरी से निकाल दिया जाता है, तब भी 60 दिन का समय बहुत कम था। इस सुरक्षा को पूरी तरह खत्म करने से हजारों कानून का पालन करने वाले लोगों के पास अपनी जिंदगी समेटने के लिए बिल्कुल भी समय नहीं बचेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अचानक नौकरी खत्म होने के बाद प्रभावित परिवारों के पास अपना घर, बच्चों की पढ़ाई और अन्य निजी मामलों को संभालने के लिए पर्याप्त समय नहीं हो सकता है। भूटोरिया ने कहा कि 2023 में उन्होंने राष्ट्रपति की सलाहकार समिति से राहत अवधि को 60 दिन से बढ़ाकर 180 दिन करने की सिफारिश को सर्वसम्मति से मंजूरी दिलाई थी। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में भर्ती प्रक्रिया में अक्सर कई चरणों में साक्षात्कार होते हैं। इसके बाद नए नियोक्ता के पास कर्मचारी की आव्रजन स्थिति स्थानांतरित करने के लिए जरूरी कागजी कार्रवाई भी करनी पड़ती है।

भूटोरिया ने कहा, नौकरी से निकाले गए एच-1बी कर्मचारियों के लिए 60 दिन की राहत अवधि खत्म करना एक बड़ा कदम पीछे जाने जैसा है। जब मैंने मार्च 2023 में राष्ट्रपति की सलाहकार समिति के सामने इस अवधि को बढ़ाकर 180 दिन करने की सिफारिश रखी थी, तो वह कंपनियों में होने वाली भर्ती की वास्तविक स्थिति पर आधारित थी।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रेन के AC कोच में शराब की बोतलों से भरे बैगों का ढेर

बांद्रा से भुज जा रही ट्रेन में 5 बूटलेगर खेप ले जा रहे थे यात्रियों ने 3 को पकड़ा, 2 फरार; 5 FIR

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भावनगर लठ्ठाकांड की गंभीर घटना के बाद भी सूरत रेलवे पुलिस (RPF) के कथित रूप से लापरवाही बरतने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। बांद्रा से भुज जा रही ट्रेन के AC कोच में यात्रियों ने खुद जांच कर शराब की पेटियां और बूटलेगरों को रंगे हाथ पकड़ लिया, जिसके बाद रेलवे प्रशासन हरकत में आया। इस मामले में रेलवे पुलिस थाने में कुल 5 अलग-अलग FIR दर्ज की गई हैं। यात्रियों की सतर्कता के चलते 3 आरोपी पुलिस हिरासत में आ गए हैं, जबकि 2 फरार बूटलेगरों की तलाश शुरू कर दी गई है।

बांद्रा टर्मिनस से भुज जा रही ट्रेन नंबर 09037 सुपरफास्ट स्पेशल के थर्ड AC (3 AC) कोच में गुरुवार (27 अगस्त) को शराब की बड़ी खेप मिलने से हड़कंप मच गया। वापी स्टेशन से ट्रेन रवाना होने के बाद यात्रियों का ध्यान काफी देर से सीटों के नीचे पड़े लावारिस बैगों पर गया। कोई यात्री बैग लेने नहीं आया तो यात्रियों को शक हुआ।

जब यात्रियों ने बैग खोलकर जांच की तो उसमें विदेशी शराब की बोतलें, बीयर के कैन और क्वार्टर की बड़ी मात्रा मिली।

शराब की खेप मिलने की खबर तेजी से पूरे कोच में फैलते ही अन्य यात्री भी सतर्क हो गए। यात्रियों ने खुद ही पूरे कोच में तलाशी शुरू कर दी। एक-एक करके सीटों के नीचे और कोनों में छिपाकर रखी गई 10 से ज्यादा पेटियां, बैग और प्लास्टिक की बोरियां बाहर निकाली गईं।

यात्रियों ने शराब का पूरा सामान कोच के टॉयलेट के पास और वेस्टिब्यूल क्षेत्र में जमा कर दिया। कुछ ही देर में वहां शराब का बड़ा ढेर लग गया। इसके बाद यात्रियों ने तत्काल ट्रेन के ड्राइवर को सूचना दी और रेलवे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई।

कोच में मौजूद 3 संदिग्ध लोग भागने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन सतर्क यात्रियों ने उन्हें चारों तरफ से घेरकर पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि इस ट्रेन में अलग-अलग स्थानों से 5 बूटलेगर सवार होकर शराब की खेप सूरत लाने का प्रयास कर रहे थे।

यात्रियों द्वारा पकड़े गए तीनों आरोपियों ने कथित तौर पर शराब अपना होने की बात स्वीकार की। वहीं, दो अन्य बूटलेगर भीड़ और हंगामे का फायदा उठाकर ट्रेन से फरार हो गए।

ट्रेन में शराब की खेप पकड़े जाने की सूचना रेलवे कंट्रोल रूम को दी गई। ट्रेन के सूरत स्टेशन पहुंचते ही RPF और GRP का बड़ा पुलिस दल प्लेटफॉर्म पर पहुंच गया। यात्रियों ने पकड़े गए तीनों संदिग्ध बूटलेगरों और टॉयलेट के पास जमा शराब का पूरा जखीरा पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने मौके से 3 बड़ी ट्रैवल बैग और करीब 6 प्लास्टिक पार्सल जब्त किए हैं। फिलहाल पुलिस ने पांचों बूटलेगरों के खिलाफ प्रोहिबिशन एक्ट के तहत 5 अलग-अलग मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि वापी स्टेशन से शराब की इतनी बड़ी खेप बिना सुरक्षा जांच के ट्रेन में कैसे चढ़ाई गई और रेलवे सुरक्षा व्यवस्था में कहां चूक हुई।

कॉटन मंडली की सभा में गबन के मुद्दे पर हंगामा

सदस्यों ने दोषियों से वसूली की मांग की 2020-21 में 50 लाख से ज्यादा का घोटाला हुआ था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

ओलपाड तालुका की सोंसक कॉटन मंडली की 105वीं वार्षिक साधारण सभा भारी हंगामे के बीच आयोजित हुई। मंडली में पहले हुए लाखों रुपये के गबन के मामले में सदस्यों ने गंभीर सवाल उठाते हुए जिम्मेदारी तय करने की मांग की। संस्था को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई दोषियों से

कराए जाने की जोरदार मांग की गई। करीब दो घंटे तक चले हंगामे के बाद एजेंडे के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

सरकार द्वारा नियुक्त प्रशासनिक समिति के अध्यक्ष किरीट पटेल की अध्यक्षता में सभा आयोजित की गई थी। कार्यवाही में सभी निदेशकों को दोषी नहीं होने का उल्लेख किए जाने पर सदस्य नाराज हो गए। उन्होंने चल रही न्यायिक कार्रवाई को लेकर भी कड़ी नाराजगी जताई।

साधारण सभा के एजेंडे के प्रस्तावों को मंजूरी देने की प्रक्रिया शुरू होते ही माहौल तनावपूर्ण हो गया। स्थिति बिगड़ने से रोकने के लिए सहकारी क्षेत्र के नेताओं ने बीच-बचाव कर सदस्यों को शांत कराया। लंबी चर्चा के बाद आखिरकार एजेंडे के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई।

मंडली में वर्ष 2020-21 में 50 लाख रुपये से अधिक का घोटाला हुआ था। इस मामले में कर्मचारियों और निदेशकों के खिलाफ पुलिस केस चल रहा है। पूर्व प्रशासकों ने आरोप लगाया था कि राजनीतिक दबाव में गलत फैसले लिए जा रहे थे और इसी के विरोध में उन्होंने आपत्ति जताई थी।

करीब दो घंटे तक चले विरोध के बाद सहकारी क्षेत्र के नेताओं की समझाइश से मामला शांत हुआ। सदस्यों ने संस्था को हुए आर्थिक नुकसान की जिम्मेदारी तय कर दोषियों से रकम वसूलने और मंडली का प्रशासन पारदर्शी तरीके से चलाने की स्पष्ट मांग की।

BRTS में बिना टिकट यात्रियों से गार्ड ने वसूले पैसे

पांडेसरा का VIDEO वायरल, सार्वजनिक परिवहन समिति के चेयरमैन बोले- एजेंसी के खिलाफ भी होगी सख्त कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर की सार्वजनिक परिवहन सेवा BRTS के संचालन में अनियमितता का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पांडेसरा क्षेत्र के कैलाश नगर BRTS बस स्टॉप पर ड्यूटी पर तैनात एक सुरक्षाकर्मी (वॉचमैन) पर आरोप है कि वह बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों के खिलाफ नियमानुसार जुर्माना लगाने के बजाय उनसे सीधे नकद पैसे लेकर अपनी जेब में रख रहा था।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में कथित तौर पर स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि सुरक्षा गार्ड बिना टिकट आए यात्रियों से पैसे लेता है, उन्हें अपनी जेब में रखता है और बिना किसी आधिकारिक रसीद या जुर्माने की प्रक्रिया के यात्रियों को सीधे बस स्टॉप के अंदर प्रवेश करने देता है। नियमों का उल्लंघन कर महानगरपालिका के राजस्व को नुकसान पहुंचाने वाली इस कथित हरकत के सामने आने के बाद यात्रियों और स्थानीय लोगों में नाराजगी है।

वीडियो वायरल होते ही सूरत महानगरपालिका प्रशासन हरकत में आ गया है। सार्वजनिक परिवहन समिति के चेयरमैन मनीष पटेल ने मामले में तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि वीडियो सामने आते ही संबंधित अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसी को इसकी जानकारी देकर तत्काल रिपोर्ट मांगी गई है।

हालांकि, सुरक्षा एजेंसी की ओर से अभी तक इस कथित अनियमितता को अंजाम देने वाले गार्ड के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई, इसका कोई खुलासा या रिपोर्ट पेश नहीं की गई है।

एजेंसी की इस लापरवाही को देखते हुए चेयरमैन ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि अब केवल संबंधित कर्मचारी ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार सुरक्षा एजेंसी के खिलाफ भी कानूनी और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सूरत के 'मैरियट' फाइव स्टार होटल का मामला

फाइव स्टार होटल की कुकीज में निकले लकड़ी के टुकड़े, हंगामा वीडियो बनाने पर स्टाफ ने कहा- 'आप यहां वीडियो नहीं बना सकते'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अठवालाइंस स्थित फाइव स्टार होटल मैरियट के रेस्टोरेंट की कुकीज में लकड़ी के टुकड़े मिलने के आरोप के बाद ग्राहक ने हंगामा किया। ग्राहक ने जब घटना का वीडियो बनाना शुरू किया तो होटल स्टाफ ने वीडियो बनाने की अनुमति नहीं होने की बात कहकर उसे रोकने का प्रयास किया। ग्राहक ने कहा कि अगर लकड़ी का यह टुकड़ा किसी बच्चे के मुंह में चला जाता तो गंभीर चोट लग सकती थी। सूरत महानगरपालिका के फूड विभाग में शिकायत किए जाने के बाद सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं।

पीड़ित ग्राहक ने बताया कि 29 अगस्त की देर रात करीब 2:30 बजे वह अपने दोस्तों के साथ अठवालाइंस स्थित मैरियट होटल के स्क्वेष्ट कैफे में गए थे। बिल के अनुसार, टेबल नंबर 19 पर रात 2:36 बजे 2 इंडियन क्लासिक टी (750) और 1 अमेरिकानो कॉफी (425) का ऑर्डर दिया गया था। त्रस्ज्ञ सहित कुल 1386.50 का बिल चुकाया गया।

ऑर्डर के साथ सर्व की गई कुकी जैसी ही एक दोस्त ने मुंह में रखी, उसे तुरंत लकड़ी का नुकीला टुकड़ा चुभ गया। कुकीज की जांच करने पर उसमें से छोटे-बड़े 3 से 4 नुकीले लकड़ी के टुकड़े मिले। ग्राहक ने नाराजगी जताते हुए कहा कि लकड़ी के टुकड़े बेहद नुकीले और खतरनाक थे। वयस्क व्यक्ति होने के कारण समय रहते बच गए, लेकिन अगर यही कुकी किसी छोटे बच्चे के मुंह में चली जाती तो लकड़ी का टुकड़ा गले में फंसकर जानलेवा साबित हो सकता था।

आमतौर पर लोग हाइजीन और बेहतर गुणवत्ता के भरोसे स्ट्रीट फूड छोड़कर ब्रांडेड फाइव स्टार होटलों में जाते हैं, लेकिन यहां ग्राहकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया गया है।

इस गंभीर लापरवाही को लेकर ग्राहकों ने तत्काल होटल के स्टाफ और मैनेजर को टेबल पर बुलाकर लकड़ी के टुकड़े दिखाए। आरोप है कि मैनेजमेंट ने मौखिक रूप से अपनी गलती स्वीकार की और लकड़ी के टुकड़े को सैंपल के तौर पर जांच के लिए अंदर ले गया।

हालांकि, जब ग्राहक ने वीडियो रिकॉर्डिंग शुरू की तो स्टाफ ने वीडियो बनाने की अनुमति नहीं होने की बात कहते हुए शूटिंग बंद करने का अनुरोध किया।

घटना के बाद ग्राहक ने सूरत महानगरपालिका (SMC) के स्वास्थ्य एवं फूड विभाग में सभी सबूतों और बिल की कॉपी के साथ विधिवत शिकायत दर्ज कराई। ग्राहक ने प्रशासन से मांग की है कि बिना किसी दबाव या भ्रष्टाचार के मैरियट होटल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

फूड विभाग के अधिकारी ब्रह्मभट्ट ने बताया कि महानगरपालिका को मिली शिकायत के आधार पर फूड विभाग की टीम ने जांच की और सैंपल लिए हैं। आगे की कार्रवाई जांच रिपोर्ट आने के बाद की जाएगी।

मेयर के घर के सामने कचरा डालने के बाद पालिका प्रशासन हरकत में आया

रिहायशी इलाकों में चल रहे 1500+ हॉटफिक्स यूनिटों को नोटिस वराछा में सबसे ज्यादा 547 संपत्तियों को नोटिस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के रिहायशी इलाकों में चल रहे अवैध हॉटफिक्स यूनिटों के खिलाफ आखिरकार सूरत महानगरपालिका ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। रिहायशी क्षेत्रों में चल रही इन व्यावसायिक गतिविधियों और प्लास्टिक कचरे के निपटान के कारण स्थानीय निवासी लंबे समय से काफी परेशानियों का सामना कर रहे थे।

स्थानीय लोगों और सत्तारूढ़ पक्ष के पार्षदों की ओर से स्थायी समिति के समक्ष बार-बार शिकायतें और आत किए जाने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला था। आखिरकार, 27 अगस्त को आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध जताते हुए सूरत की मेयर माया मावाणी के के मामले में 368 अन्य आवास के बाहर हॉटफिक्स का कचरा डाल दिया और जमकर नारेबाजी की।

इस घटना के बाद मामला तूल पकड़ते ही महानगरपालिका प्रशासन तुरंत एक्शन मोड में आ गया। महज 48 घंटे के भीतर विभिन्न जोन से 1500 से अधिक अवैध खाताधारकों को नोटिस जारी किए गए हैं।

वराछा जोन:547 संपत्तियों को नोटिस

लिंबायत जोन:216 संपत्तियों को नोटिस

कतारगाम जोन:160 संपत्तियों को नोटिस

सरथाणा जोन:115 संपत्तियों को नोटिस

उधना जोन:10 संपत्तियों को नोटिस

महानगरपालिका के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट विभाग के अलावा फायर ब्रिगेड विभाग ने भी सुरक्षा नियमों के उल्लंघन संपत्तियों को नोटिस जारी किए हैं। फायर विभाग ने इन यूनिटों के बिजली कनेक्शन काटने के लिए त्रश्वक्र और टोरेंट पावर को आधिकारिक पत्र लिखकर सूचना दे दी है।

महानगरपालिका की स्थायी समिति की बैठक में भी यह मुद्दा प्रमुखता से उठा। इस संबंध में जानकारी देते हुए डिप्टी कमिश्नर निधि सिवाच ने स्पष्ट किया कि रिहायशी इलाकों में अवैध रूप से चल रहे सभी हॉटफिक्स खातों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

पहले चरण में नोटिस जारी करने और बिजली कनेक्शन काटने की कार्रवाई के बाद भी यदि यह गतिविधि जारी रहती है, तो संबंधित सभी संपत्तियों को सील करने तक की कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सूरत में बिक रही थीं एक्सपायरी डेट वाली कोल्ड ड्रिंक्स ग्राहक की सतर्कता से खुलासा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में ग्राहक सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शहर के वराछा क्षेत्र स्थित घनश्याम नगर में एक दुकान से एक्सपायरी डेट वाली कोल्ड ड्रिंक्स की बोतलें मिलने का मामला सामने आया है। इस घटना ने बाजार में बिकने वाले पैकेज्ड खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक जागरूक ग्राहक ने दुकान से खरीदी गई कोल्ड ड्रिंक की बोतल पर एक्सपायरी डेट देखी और उसका वीडियो बना लिया। ग्राहक ने इस संबंध में तत्काल सूरत महानगरपालिका (SMC) में शिकायत दर्ज कराई। ग्राहक की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए स्क्वेष्ट ने तुरंत जांच शुरू की। जांच के बाद दुकान संचालक पर एक्सपायरी डेट वाली कोल्ड ड्रिंक्स बेचने के आरोप में 2,500 का जुर्माना लगाया गया।

यह घटना ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण सीख है कि किसी भी खाद्य या पेय पदार्थ को खरीदते समय उसके लेबल, मैन्युफैक्चरिंग डेट और एक्सपायरी डेट की जांच जरूर करनी चाहिए। ग्राहक की सतर्कता के कारण ही यह मामला सामने आया और महानगरपालिका ने कार्रवाई की।

स्क्वेष्ट को शहरभर की ऐसी दुकानों पर और अधिक सख्त जांच अभियान चलाना चाहिए, ताकि नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ न हो और एक्सपायरी डेट वाले उत्पादों की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

सामान्य बातचीत से शुरू हुआ विवाद कुछ ही देर में उग्र हो गया जिससे गांव में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के ओलपाड तालुका के एक गांव में पानी के मुद्दे को लेकर दो गुटों के बीच हुआ विवाद मारपीट तक पहुंच गया। सामान्य बातचीत से शुरू हुआ विवाद कुछ ही देर में उग्र हो गया, जिससे गांव में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पानी के मुद्दे को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई थी। इसके बाद विवाद और बढ़ गया। आरोप है कि एक पक्ष के लोग दूसरे पक्ष के घर तक पहुंच गए और हमला कर दिया। घटना में महिलाएं, युवक और युवतियां भी आमने-सामने आ गए और दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई।

इस पूरी घटना के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं। वीडियो में दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस और मारपीट के दृश्य दिखाई दे रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी सक्रिय हो गई।

पुलिस ने वायरल वीडियो और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। किस पक्ष ने पहले हमला किया और विवाद की शुरुआत किस तरह हुई, इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस ने दोनों पक्षों के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है।

पानी जैसे सामान्य मुद्दे को लेकर हुआ विवाद हिंसक रूप लेने से स्थानीय लोगों में भी चर्चा का माहौल है।

सूरत रेलवे स्टेशन की कैंटीन का वीडियो वायरल पफ गर्म करने वाली मशीन में दिखा चूहा; मचा हड़कंप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत रेलवे स्टेशन पर स्थित कैंटीन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद खाद्य पदार्थों की स्वच्छता और यात्रियों के स्वास्थ्य को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। वायरल वीडियो में कैंटीन में रखी पफ मशीन के अंदर चूहा दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। वीडियो में मशीन में रखे पफ जैसे खाद्य पदार्थ के ऊपर भी चूहा घूमता हुआ दिखाई दे रहा है।

रेलवे स्टेशन पर रोजाना बड़ी संख्या में यात्रियों की आवाजाही होती है। ऐसे स्थानों पर कैंटीन और फूड स्टॉल में स्वच्छता बनाए रखना बेहद जरूरी है। हालांकि, वायरल हुए इस वीडियो ने स्टेशन पर खाद्य पदार्थों के रखरखाव और स्वच्छता व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

यात्रियों की ओर से सवाल उठाए जा रहे हैं कि अगर खाद्य पदार्थ रखने वाली मशीन में चूहा पहुंच सकता है, तो कैंटीन में स्वच्छता और फूड सेफ्टी के नियमों का कितना पालन किया जा रहा है? ऐसी लापरवाही से यात्रियों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ने की आशंका भी बनी रहती है। फिलहाल वायरल वीडियो की सटीक जानकारी और घटना की आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है। हालांकि, वीडियो सामने आने के बाद संबंधित विभाग द्वारा पूरे मामले की जांच की जाए और रेलवे स्टेशन की कैंटीन में स्वच्छता तथा खाद्य सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए, ऐसी मांग उठ रही है।